वर्षः 7- अंकः 201, मुंबई, शनिवार, 7 अक्टूबर, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

शुध्द घी में बना

केसरीया मलाई घेवर
MM MITHAIWALA
MALAD (W),TEL.: 288 99 501

चीन की गद्दारी

सवा महीने भी नहीं बीते, ड्रैगन ने डोकलाम पर लिख डाली धोखे की दास्तान

नई दिल्ली। चीन ने वही किया जिसकी पहले से ही आशंका थी। उसने अपना वादा तोड़कर भारत की पीठ में खंजर भोंका है। डोकलाम पर समझौते के सवा महीने भी नहीं बीते हैं कि उसने धोखे की दास्तान लिख डाली। 28 अगस्त के समझौते को तोड़कर उसने डोकलाम के पास भारी संख्या में सैनिकों की तैनाती कर डाली है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

ड्रैगन ने दी थी युद्ध तक की धमकी

मामले को लेकर दोनों देशों के सैनिक आमने-सामने आ गए थे और इसके बाद तनाव बढ़ता चला गया था। 73 दिनों तक यह स्थिति कायम रही थी। अलग-अलग तरीके से चीन ने भारत पर पीछे हटने के तमाम दबाव बनाए। उसने भारत को युद्ध तक की धमकी दी। साथ ही साल 1962 की हार की भी याद दिलाई। पीएलए की ताकत की धौंस भी दी, लेकिन भारत बिना कुछ कहे इसे हवा में उड़ाता रहा। आखिरकार एक शर्मनाक स्थिति में चीन को भारत के साथ पीछे हटने का समझौता करना पड़ा, लेकिन यह समझौता असल में एक धोखा था, जो अब खुलकर सामने आ गया है।

कोयले की कमी, महाराष्ट्र में कई जगह लोडशेडिंग
(समाचार पृष्ठ 3 पर)

इन गंभीर सवालों पर क्यों चुप हैं प्रधानमंत्री मोदी?
(समाचार पृष्ठ 6-7 पर)

मुंबई में जोरदार बारिश

दिन में छाया अंधेरा, हेडलाइट जलाकर लोगों ने चलाई गाड़ियां

मुंबई। शहर में शुक्रवार दोपहर बादल छाने से अंधेरा हो गया। लोगों को लाइट जलाकर गाड़ियां चलानी पड़ीं। कई जगहों पर धुआंधार बारिश भी हुई। खासकर वेस्ट मुंबई में जोरदार बरसात हुई। नवी मुंबई भी तरबतर हो गया। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

एक लाइसेंस पर चल रहे चार होटलों को बचाने के लिए...

भ्रष्ट मनपाकर्मी एकजुट

होटल दुलाली

होटल ट्यूनिंग फोर्क

MUMBAI HALCHAL EXCLUSIVE

होटल थ्री वाइज मंकी

होटल क्वार्टर पीलर

शरद उघाड़े
मनपा सहायक आयुक्त (एच/डब्ल्यू)

ऊपर तक जाती है इन होटलों की काली कमाई

मनपा एच/पश्चिम विभाग में हड़कंप

पढ़ते रहिए इन होटलों की पूरी जानकारी प्रतिदिन एक-एक करके

मुंबई। खार पश्चिम स्थित प्लाट नंबर ९ए, राज कुटीर बिल्डिंग, तीसरा रास्ता में दुलाली, थ्री वाइज मंकी, क्वार्टर पीलर और ट्यूनिंग फोर्क नाम के चार होटलों पर कार्रवाई करने के बदले इसे बचाने के लिए एच/डब्ल्यू विभाग के भ्रष्ट मनपाकर्मी अब एकजुट हो गये हैं। ऐसी जानकारी हमारे विश्वस्त सूत्रों ने दी है। जानकारी के अनुसार एच/डब्ल्यू के सहायक आयुक्त शरद उघाडे ने खार के इन होटलों को बचाने के लिए इसके मालिक से एक तरह की सुपारी ले ली है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ट्रांजिट कैंप में रहने वालों को वहीं मिलेगा घर : वायकर

मुंबई। मुंबई शहर, उपनगर के ट्राजिंट कैंपों में रहने वाले पात्र किराएदारों को वहीं पर घर देने पर आश्वासन गृहनिर्माण राज्यमंत्री रविंद्र वायकर ने दिया है। खतरनाक इमारतों में रहने वालों के लिए म्हाडा के मुंबई इमारत मरम्मत व पुनर्रचना मंडल ने मुंबई शहर और उपनगर में ट्राजिंट कैंप बनाए थे। इनमें से कई सारे ट्रांजिट कैंप की इमारतें खतरनाक बन गई हैं। कई लोगों ने अपने घर बेच दिए हैं।

मंत्रालय में बैठक बुलाई गई, जिसमें पात्र किराएदारों, रहवासियों और गैरकानूनी ढंग से रह रहे लोगों का प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पुनर्वास करने की योजना है। राज्यमंत्री वायकर ने कहा कि बिल्डरों को ट्रांजिट गाले दिए गए हैं, किराया वसूली के लिए मनपा को काम बंद कराने का आदेश दिया जाए।

सायन ट्रांजिट कैंप में रोजाना किराया वसूली के लिए कर्मचारी भेजे जाएं। मास्टर लिस्ट तैयार करने के लिए उपलब्ध घरों की सूची देने का निर्देश संबंधितों को दिया है। बैठक में मुंबई इमारत मरम्मत मंडल के सीईओ सुमत भांगे सहित अन्य आला अधिकारी मौजूद थे।

उद्यानों में एक्यूप्रेशर जॉगिंग ट्रैक बनाने की शिवसेना की मांग

मुंबई। मुंबई के उद्यानों में बड़ी संख्या में लोग सैर सपाटे के लिए आते है ।इन लोगों के लिए उद्यानों में स्वतंत्र जॉगिंग ट्रैक बनाया गया है ।इस जॉगिंग ट्रैक पर नोकदार व चुंबकीय एक्यूप्रेशर शीट्स लगाए जाने से जॉगिंग के लिए आनेवाले नागरिकों का रक्त प्रवाह ठीक से होने से स्वास्थ्य पर अच्छा परिणाम होगा ।जिसे देखते हुए उद्यानों में एक्यूप्रेशर जॉगिंग ट्रैक बनाए जाने की मांग शिवसेना नगरसेविका समृद्धि काते ने ठराव की सूचना द्वारा की है। गौरतलब है कि मुंबई में रोजमर्रा की जिंदगी में लोगों द्वारा शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी की जाती है ।किसी भी समय खाना, जंक फूड का सेवन करना, अधूरी नींद , व्यायाम का अभाव आदि का शरीर पर गलत परिणाम होता है ।वर्तमान में युवक युवतियों में उच्च रक्तदाब, मधुमेह, ह्रदय रोग, कोलेस्ट्रॉल, थायरॉइड आदि बिमारी होने का प्रमाण अधिक है ।चीन और जापान जैसे देशों में रोगमुक्त होने के लिए दवाइयों की बजाय एक्यूप्रेशर उपचार पद्धति का उपयोग अधिक किया जाता है ।जिसे देखते हुए मुंबई के उद्यानों में एक्यूप्रेशर जॉगिंग ट्रैक बनाने की शिवसेना नगरसेविका समृद्धि काते ने ठराव की सूचना द्वारा की हैं

दीपावली त्यौहार हेतु साई नगर शिर्डी एवं ओखा के बीच 12 विशेष गाडियाँ

मुंबई। दीपावली छुट्टियों के दौरान होने वाली अतिरिक्त भीड़-भाड को देखते हुए रेलवे ने साई नगर शिर्डी एवं ओखा के बीच 12 विशेष गाडियाँ चलाने का निर्णय लिया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

09563 साप्ताहिक विशेष गाडी दिनांक 11.10.2017 से 15.11.2017 तक (6 ट्रिप) प्रत्येक बुधवार साईनगर शिर्डी से 22.25 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 22.00 बजे ओखा पहुंचेगी।

09564 साप्ताहिक विशेष गाडी दिनांक 10.10.2017 से 14.11.2017 तक (6 ट्रिप) प्रत्येक मंगलवार ओखा से 17.00 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 20.00 बजे साईनगर शिर्डी पहुंचेगी।

ठहरावः कोपरगांव, मनमाड, नासिक रोड, इगतपुरी, कल्याण, वसई रोड, वापी, सुरत, वडोदरा, आंनद, नडीयाद, अहमदाबाद, विरमगांव, सुरेन्द्रनगर, वानकानेर, राजकोट, हापा, जामनगर, खंमबालिंया एवं द्वारका

संरचनाः 2 वातानुकूलित 2 टियर, 3 वातानुकूलित 3 टियर, 10 शयनयान, 3 सामान्य द्वितीय श्रेणी एवं 3 सामान्य द्वितीय श्रेणी कम गार्ड ब्रेक वैन सहित

आरक्षण 09563 विशेष गाडि का विशेष शुल्क के साथ आरक्षण सभी पीआरएस तथा वेबसाईट www.irctc.co.in पर दिनांक 07.10.2017 से प्रारंभ होगा।

इन गाड़ियो के 3 सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच एवं 3 सामान्य द्वितीय श्रेणी कम गार्ड ब्रेक वैन कोच अनारक्षित रूप में चलाए जाएंगे।

इन गाड़ियो के अनारक्षित डिब्बे के टिकट यू टी एस के माध्यम से बुक किए जा सकते है।

पंजीकृत फ्लैट की चाबी तय समय पर ही देना जरूरी

मुंबई। ग्राहकों के लिए राहत की बात है। आपने अपने फ्लैट का रजिस्ट्रेशन कराया है, तो बिल्डर को तय तिथि में ही घर की चाबी आपको देनी होगी। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो बिल्डर पर रियल एस्टेट रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऐक्ट (रेरा) के तहत कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि महाराष्ट्र में जब से रेरा लागू किया गया है, तब से बिल्डर घर देने की तिथि आगे बढ़ाकर रेरा के तहत परियोजना का पंजीकरण करा रहे हैं। इससे हजारों ग्राहकों का पैसा भी फंसा हुआ है, और घर भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसे ग्राहकों की मदद के लिए रेरा ने निर्णय लिया है कि जिन फ्लैट का रजिस्ट्रेशन किया गया है। उनका पजेशन बिल्डर रजिस्ट्रेशन में दी गई तिथि पर ही देगा। जानकारी के अनुसार, रेरा ने पुणे की परियोजना के खिलाफ दर्ज की गई शिकायत पर सुनवाई करते हुए बिल्डर को शिकायतकर्ता का हजार्ना भरने का आदेश दिया। क्रिस्टोफर धमार्यी ने मार्वल डिवेलपर के खिलाफ रेरा में शिकायत दर्ज की थी कि बिल्डर द्वारा फ्लैट

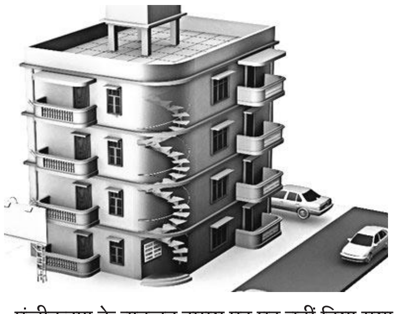

पंजीकरण के बावजूद समय पर घर नहीं दिया गया है। मामले की सुनवाई बी.डी कापडणीस द्वारा की गई। इसके बाद रेरा द्वारा मार्वल डिवेलपर को घर 30 अप्रैल, 2018 तक दिए जाने का फरमान सुनाया गया। यदि ऐसा नहीं होता, तो बिल्डर ग्राहक को प्रतिमाह 15000 रुपये किराया देगा।

बिल्डर बढ़ा रहे हैं तारीख

महाराष्ट्र में 1 मई,2017 से रेरा लागू किया गया है। तब से बिल्डरों द्वारा ग्राहकों को घर देने की समय सीमा बढ़ाई जा रही है। इस वजह से सैकड़ों ग्राहक परेशान हो रहे थे। लेकिन रेरा द्वारा लिए गए इस निर्णय से बिल्डर अब यह काम नहीं कर पाएंगे। रेरा के अनुसार, जिन घरों का पंजीकरण हो चुका है,उसकी तिथि यदि कोई बिल्डर आगे बढ़ाता है, तो उस पर निश्चय ही कार्रवाई की जाएगी। इस पर ग्राहक को हजार्ने के साथ-साथ घर का किराया भी बिल्डर देगा।

हालाकि रेरा के तहत अब तक यह फैसला नहीं लिया गया है कि जिन घरों का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है,उन पर कैसे कार्रवाई की जाएगी। हाउसिंग विशेषज्ञ रमेश प्रभू ने बताया कि रेरा के तहत पंजीकरण करते समय डिवेलपरों ने घर देने की तिथि और प्रॉजेक्ट पूर्ण होने की तिथि साल से 2 साल तक बढ़ा दी है। इससे ग्राहकों परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लाखों ग्राहक ऐसे हैं, जिनसे बिल्डर ने पैसा लेकर 2016 में घर देने का वाद किया है, लेकिन रेरा के डर से बिल्डरों ने परियोजना पूर्ण होने की तिथि आगे बढ़ा दी है।

बीएमसी के कूड़े से ऊर्जा बनाने के प्रॉजेक्ट को नहीं मिला किसी का साथ

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने देवनार डंपिंग ग्राउंड के कूड़े को ऊर्जा में बदलने के लिए एक टेंडर निकाला था जिसकी आखिरी तारीख 28 सितंबर थी। किसी भी कंपनी के इस प्रॉजेक्ट में रुचि ने लेने के बाद इसकी आखिरी तारीख 28 अक्टूबर कर दी गई है। अधिकारी अब इस विफलता की वजह तलाशने में लग गए हैं। स्टॉर्म वॉटर मैनेजमेंट के एक अधिकारी ने बताया, 'कई लोगों ने हमारे टेंडर की तारीफ की। उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर का भी बताया गया। इसके बाद भी एक भी बोली नहीं लगी। हमें अब देखना होगा कि कहां

गलती हुई।' सूत्रों के मुताबिक एक चीनी सरकार की एक कंपनी ने बोली लगाने से पहले की प्रक्रिया के दौरान खासी रुचि दिखाई थी लेकिन भारत-चीन के बीच तनावपूर्ण संबंधों की वजह से अपनी सरकार से अनुमति न मिलने के कारण उस कंपनी ने भी बोली नहीं लगाई। प्रस्तावित प्रॉजेक्ट के मुताबिक देवनार के 3,000 मेट्रिक टन कूड़े से 25 मेगावॉट बिजली प्रति घंटा बनाई जा सकेगी। इस बिजली का इस्तेमाल बीएमसी करेगी। इसके प्लांट में करीब 800 करोड़ से लेकर 1000 करोड़ रुपये तक का खर्च आ सकता है। अगले 20 साल तक, रखरखाव सहित, इसपर 2000 करोड़ रुपये का खर्च आ सकता है। पिछले साल देवनार और मुलुंड के डंपिंग ग्राउंड में लगी आग ने सारे देश का ध्यान इस समस्या की ओर खींचा था। उसके बाद से बीएमसी समय-समय पर इन दोनों ग्राउंड्स का ध्यान रख रही है।

सौतेले पिता ने ली 3 साल के बेटे की जान

मुंबई। घाटकोपर में एक 36 साल के व्यक्ति को अपने सौतेले बेटे की हत्या करने के बाद उसकी लाश को दफनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उसने तीन साल के मासूम को जान से मारने के बाद उसकी लाश को कल्याण स्थित कब्रिस्तान में दफन कर दिया। पंतनगर पुलिस स्टेशन के अधिकारियों का कहना है कि आरोपी नितिन पठारे ने अपनी पांच साल की सौतेली बेटी को भी जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस शव को निकालकर पोस्टमॉर्टम करवाने के लिए अदालत की अनुमति का इंतजार कर रही है। पुलिस ने बताया कि नितिन पठारे तलाकशुदा अफसाना कुरैशी से नासिक में मिला था। पुलिस अधिकारी के अनुसार, 'नितिन ने अफसाना से शादी करने को कहा तो तलाक के बाद बेघर हुई अफसाना मान गई।' अफसाना के दो बच्चे भी उसके साथ गौरी शंकर वाड़ी स्थित नितिन के घर में रहने लगे। बीते गुरुवार को अफसाना के बेटे अली से गलती से कांच का एक गिलास टूट गया। पुलिस के मुताबिक इस बात से गुस्साए नितिन ने पीट-पीटकर अली की जान ले ली।

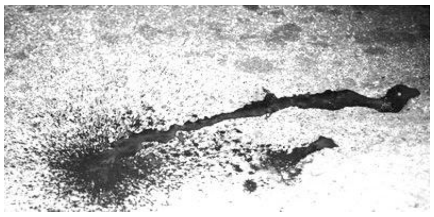

अफसाना और नितिन दोनों ने वारदात को छुपाने की कोशिश की और साथ जाकर शव को कब्रिस्तान में दफना दिया। इसके बाद नितिन अफसाना की बेटी को भी मारने की धमकी देने लगा, जिससे घबराकर अफसाना ने उसका घर छोड़ दिया और पड़ोसी को इस बात की जानकारी दी। पड़ोसी ने ही पुलिस को इस वारदात के बारे में बताया। पूछताछ में नितिन ने कहा कि वह नहीं चाहता था कि अफसाना के पहले पति से बच्चे उसके साथ रहें। यही वजह थी कि उसने बेटे को मार दिया और वह बेटी को भी मारने की योजना बना रहा था।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोनः**9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

शक्कर-कपड़ा मिलें बेचने वालों ने सहकारिता आंदोलन को खत्म करने की कोशिश की : फडणवीस

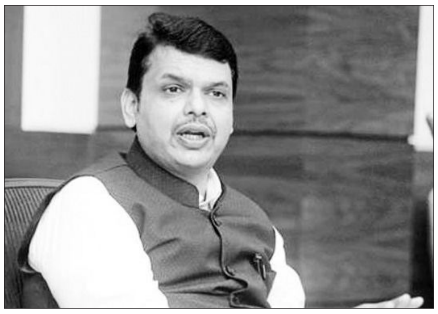

मुंबई। सहकारी शक्कर कारखाने, कपड़ा मिल, डेयरी प्रसंस्करण परियोजनाओं को बेचकर तत्कालीन सत्ताधारियों ने सहकार आंदोलन को खत्म करने की कोशिश की थी। भाजपा सरकार ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया तो अब उल्टे सरकार पर सहकारिता आंदोलन को खत्म करने का आरोप लगा रहे हैं। लेकिन सरकार लोगों के भले के लिए किसी का लिहाज नहीं करेगी। गुरुवार को महाराष्ट्र राज्य सहकारिता संघ के शताब्दी समारोह का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस-राकांपा को आड़े हाथ लिया। मरीनलाइंस स्थित बिर्ला मातोश्री सभागृह में आयोजित समारोह में फडणवीस ने कहा, राज्य में सहकारिता आंदोलन के जरिए विभिन्न उद्योग लगाकर ग्रामीण इलाके का विकास किया गया। लेकिन अब कुछ लोगों ने घाटे की बात कहकर चीनी कारखाने और मिलों को बेच डाला है। सरकार की इच्छा है कि सहकारिता आंदोलन जोर पकड़े और ग्रामीण युवाओं को उनके इलाके में ही रोजगार मिले। ग्रामीण इलाकों में सहकारी संस्थाओं का जाल बिछाने के लिए सरकार ने इससे जुड़े कानून में सुधार किया है। राज्य की सहकारी संस्थाओं की समस्या दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी कंपनियों के चलते सहकारिता उद्योगों के सामने चुनौती है, इससे निपटने का रास्ता खोजना होगा।

आधी सहकारी संस्थाएं हैं बंद : देशमुख

सहकारिता मंत्री सुभाष देशमुख ने कहा, फिलहाल राज्य की 22 हजार सहकारी संस्थाओं में से 11 हजार बंद पड़ीं हैं। सरकार कोशिश कर रही है कि बंद पड़ी संस्थाओं में से कम से कम पांच हजार को फिर से शुरू कर दिया जाए। अटल विपणन अभियान के जरिए बचत गुटों को स्वावलंबी और सक्षम बनाया जा रहा है।

कोयले की कमी, महाराष्ट्र में कई जगह लोडशेडिंग

मुंबई। बिजली का सरप्लस उत्पादन करने वाले महाराष्ट्र में भी अचानक बिजली कटौती की नौबत आ गई है। बिजली कटौती मुंबई महानगर के आसपास के इलाकों तक पहुंच गई है। कल्याण, उल्हासनगर, भांडुप व पनवेल के कुछ इलाकों में गुरुवार को बिजली कटौती करनी पड़ी। सरकार को पहली बार पुणे, नागपुर और नाशिक में भी बिजली कटौती का सामना करना पड़ा है। हालांकि ऊर्जा विभाग का कहना है कि कोयले की कमी से यह स्थिति उत्पन्न हुई है। दो दिनों में इसका समाधान हो जाएगा। सरकारी बिजली कंपनी एमएसईडीसीएल के एक अधिकारी ने बताया कि फिलहाल राज्य में सुबह के समय बिजली की मांग 16,400 मेगावाट है। इसमें से 800 से 850 मेगावाट

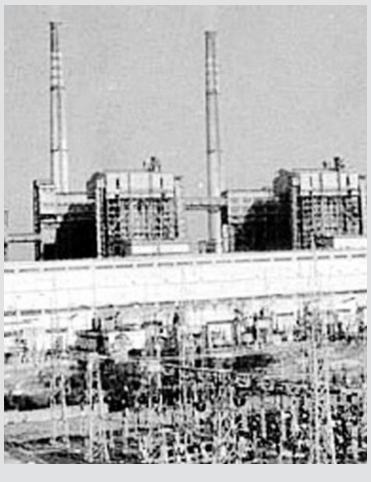

की कटौती करनी पड़ रही है। जबकि शाम के वक्त व्यस्त समय में मांग 14,500 मेगावाट है। इस वक्त 1100 मेगावाट की कटौती करनी पड़ रही है। अधिकारी ने माना कि 2012 के बाद ए, बी, सी और डी श्रेणी वाले इलाकों में वहीं कटौती की जाती है, जहां बिल का भुगतान कम होता है। फिलहाल 2000 से 3000 मेगावाट तक की कमी है। यह समस्या कोयले की कमी चलते हुई है। जानकारी के मुताबिक, भुसावल की यूनिट-1 व 5 और परली यूनिट-3 से 5 के लिए सिर्फ एक दिन का कोयला स्टाक मौजूद है। कोयले की कमी के चलते बिजली उत्पादन इकाइयां प्रभावित हुई हैं। चंद्रपुर की यूनिट 8 व 9 में भी कोयला आपूर्ति की कमी से उत्पादन प्रभावित हुआ है।

हाईकोर्ट ने पूछा, रेप विक्टिम को नकद की बजाए एफडी क्यों

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को राज्य सरकार से जानना चाहा है कि, दुष्कर्म पीड़िता व एसिड हमले के शिकार लोगों को मुआवजा देने के लिए बनाई गई मनोधैर्य योजना में बदलाव करने की जरूरत क्यों महसूस हुई है? मुख्य न्यायाधीश मंजूला चिल्लूर व न्यायमूर्ति नितिन जामदार की खंडपीठ ने कहा, मनोधैर्य योजना के नियमों में बदलाव करने का सरकार का फैसला हमारी समझ से परे है। सरकार ने योजना के एक नियम में बदलाव किया है जिसके तहत मुआवजे की 75 प्रतिशत राशि दस वर्षों के लिए फिक्स डिपॉजिट के रुप में देने का प्रावधान है। योजना में इस तरह का बदलाव करने के पीछे सरकार का क्या उद्देश्य है? सरकार मुआवजे की रकम नकद देने की बजाय फिक्स डिपाडिट (एफडी) के रुप में क्यों देना चाहती है?

एमएनएस ने बगैर इजाजत की रैली, दर्ज हुआ मुकदमा

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना द्वारा की गई रैली के बाद मुंबई की आजाद मैदान पुलिस ने एमएनएस के नेताओं पर मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के तहत रैली निकालने पर धारा 37 (1)ई और धारा 135 के तहत मुकदमा दर्ज किया। बताते चलें कि मुंबई पुलिस ने एमएनएस नेताओं पर रैली के आयोजन की इजाजत न लेने के साथ ही जनता के कार्यों में व्यवधान पैदा करने और प्रतिबंधित आदेशों का उल्लंघन करने पर मामला दर्ज किया।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।
(9619102478)

परीक्षा के एक घंटे पहले विद्यार्थियों को मिला प्रवेश पत्र

मुंबई। मुंबई विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग की एक और लापरवाही सामने आई, जिससे एटीकेटी के विद्यार्थियों को परीक्षा के ऐन वक्त पर खूब परेशानी का सामना करना पड़ा। विश्वविद्यालय ने परीक्षा की समय सारिणी पहले जाहिर कर दी, लेकिन इस परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र परीक्षा से एक घंटे पहले प्रवेश पत्र जारी किया गया।

यात्रियों की कमी से चार दिन बाद ही रद्द हुई मुंबई-शिर्डी विमान सेवा

मुंबई। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों उद्घाटन के बाद जोरशोर से शुरू की गई मुंबई-शिर्डी विमान सेवा को ग्रहण लगता दिख रहा है। यात्रियों की कमी के चलते बुधवार को मुंबई से शिर्डी जाने वाली फ्लाइट रद्द करनी पड़ी। सूत्रों के मुताबिक इस विमान के लिए सिर्फ 22 यात्रियों ने बुकिंग कराई थी। इसी वजह से उड़ान को रद्द कर दिया गया। हालांकि एयर इंडिया के प्रवक्ता का कहना है कि परिचालन से जुड़ी समस्या के चलते उड़ान रद्द की गई। मुंबई में विलंब होने के कारण शिर्डी में शाम या रात में फिलहाल विमान की लैंडिंग नहीं हो सकती थी। इसको देखते हुए यह उड़ान रद्द की गई। मुंबई-शिर्डी के बीच एक अक्टूबर को राष्ट्रपति के हाथों औपचारिक उद्घाटन के बाद दो अक्टूबर से नियमित विमान सेवा की शुरूआत हुई थी।

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरंत संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
(9619102478)

मुंबई मेट्रो समय की जरूरत: एमएमआरसीएल

मुंबई। नागरिकों से ध्वनि प्रदूषण संबंधी शिकायतोंके बावजूद मुंबई मेट्रो लाइन 3 परियोजना का बचाव करते हुए मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) ने कहा है कि यह परियोजना समय की जरूरत है, क्योंकि मुंबई में जो भी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली है, वह नाकाफी है और भारी भीड़भाड़ वाली है। मुंबई उच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में एमएमआरसीएल के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक ने कहा कि परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करना जरूरी है, ताकि नागरिकों को आने वाले दिनों में किसी भी संकट से बचाया जा सके। उनका कहना था कि मुंबई की बसें और ट्रेनों में पहले से ही बहुत ज्यादा भीड़भाड़ है और बढ़ती हुई आबादी के हिसाब से उनकी संख्या भी कम है। व्यस्ततम घंटों के दौरान ट्रेनों में खड़े होने तक की जगह नहीं होती। हलफनामे में कहा गया है कि इन्हीं कारणों को देखते हुए मुंबई मेट्रो तीन परियोजना को लाया गया है। गौरतलब है कि आजकल यह न्यायालय उस जनहित याचिका की सुनवाई कर रहा है जिसमें कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज मेट्रो लाइन तीन पर रात के समय निर्माण कार्य को बंद रखने की मांग की गई है। यह मेट्रो लाइन 33 किलोमीटर लंबी है और शहर के सभी व्यापारिक इलाकों को एक साथ जोड़ सकेगी। इस साल अगस्त में मुख्य न्यायाधीश मंजुला चेल्लुर ने एमएमआरसीएल को रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच सभी निर्माण कार्य और अन्य सहायक गतिविधियां करने पर रोक लगाने को कहा था।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सही सुझाव पर बेजा तर्क

यह घोर निराशाजनक है कि निर्वाचन आयुक्त की ओर से यह कहते ही विपक्षी दलों ने बिना सोचे-विचारे उन पर निशाना साधना शुरू कर दिया कि निर्वाचन आयोग अगले साल तक लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने में सक्षम हो जाएगा। चूंकि एक अर्से से यह चर्चा चल रही है कि आखिर दोनों चुनाव एक साथ क्यों नहीं हो सकते इसलिए एक सवाल के जवाब में निर्वाचन आयुक्त ने आयोग की क्षमता से अवगत कराने भर का काम किया। जब जरूरत इसकी थी कि राजनीतिक दल एक साथ चुनाव कराने के सर्वथा उचित सुझाव पर नीर-क्षीर ढंग से विचार करते और अपनी सहमति-असहमति तार्किक तरीके से व्यक्त करते तब उनकी ओर से कुतर्क पेश करने शुरू कर दिए गए। जहां भाकपा नेता ने निर्वाचन आयोग पर सरकार की भाषा बोलने का बेतुका आरोप मढ़ा वहीं नई तरह की राजनीति का दावा करने वाली आम आदमी पार्टी के नेता ने यह विचित्र बात कही कि एक साथ चुनाव होने से देश की विविधता खत्म हो जाएगी। ऐसे कुतर्क देने वालों को यह याद होना चाहिए कि 1967 के पहले लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ ही होते थे। आखिर जब उस समय किसी ने विविधता पर असर पड़ने का सवाल नहीं उठाया तो अब क्यों उठाया जा रहा है? एक सही सुझाव के विरोध में अजीबोगरीब बयान दे रहे दलों को इस बुनियादी तथ्य से भी अवगत होना चाहिए कि यह फैसला करने का अधिकार निर्वाचन आयोग को नहीं है कि लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ हों या नहीं? ऐसा कोई फैसला तो राजनीतिक दलों की सहमति से सरकार ही ले सकती है। बेहतर होगा कि सभी राजनीतिक दल संकीर्ण स्वार्थ परे रखकर यह देखें कि एक साथ चुनाव होने में समाज और देश के साथ खुद उनका भी हित है। वर्तमान में करीब-करीब हर वर्ष किसी न किसी राज्य के विधानसभा चुनाव होते ही रहते हैं। कभी-कभी तो एक वर्ष में ही अलग-अलग समय कई विधानसभाओं के चुनाव होते हैं। इसी साल प्रारंभ में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब आदि में चुनाव हुए और अब हिमाचल एवं गुजरात में होने वाले हैं। जब ऐसा होता है तो एक ओर जहां आचार संहिता के चलते शासन के काम ठप हो जाते हैं वहीं दूसरी ओर राजनीतिक दलों को अपना सारा ध्यान चुनावों पर केंद्रित करना पड़ता है। बार-बार चुनाव होते रहने से समय और धन की भी अच्छी-खासी बबार्दी होती है। किसी भी राज्य में चुनाव हों उनके मद्देनजर संसद में राजनीतिक दलों का व्यवहार बदल जाता है और यह अक्सर उनकी अगंभीरता के रूप में ही नजर आता है। आखिर यह कहां की समझदारी है कि एक साथ चुनाव हो सकने के बावजूद वे अलग-अलग होते रहें और उसके चलते देश के संसाधन जाया होते रहें? वैसे तो इस दलील में ज्यादा दम नहीं कि एक साथ चुनाव होने से क्षेत्रीय दल घाटे में रहेंगे, लेकिन यदि उन्हें ऐसा ही लगता है तो कृपा करके कम से कम वे लोकसभा चुनाव होने के दो साल बाद समस्त विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने पर सहमत हों।

फुटबॉल में अब कुछ कर दिखाने की है बारी

जिस खेल की अंतरराष्ट्रीय संस्था के साथ 211 देश जुड़े हों और जिस खेल का विश्व कप दुनिया भर में तीन अरब से ज्यादा लोग देखते हों। उस खेल यानी फुटबॉल के अंडर 17 वर्ल्ड कप के प्रति दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाले देश की जबरदस्त दिलचस्पी दिखनी चाहिए। इसलिए और भी, क्योंकि भारत को इस विश्व कप की मेजबानी पहली बार मिली है और इसी नाते भारतीय फुटबॉल टीम को दुनिया की चोटी की 23 अन्य टीमों के साथ खेलने का एक दुर्लभ अवसर मिलने जा रहा है। पूरे देश के फुटबॉल के खेल से परिचित होने के बाद भी यह खेल अभी कुछ राज्यों में ही लोकप्रिय है। इंडियन सुपर लीग में 60 हजार की क्षमता वाले स्टेडियम खचाखच भरे होते हैं, लेकिन ऐसा कोलकाता और केरल में ही देखने को मिलता है। कभी-कभार राजधानी दिल्ली में भी यह आंकड़ा 40 हजार को पार कर जाता है। आखिर जब क्लब टीमों के लिए केरल और बंगाल में इतने दर्शक आते हैं तो फिर फीफा अंडर 17 विश्व कप को लेकर अपेक्षित जोश क्यों नहीं दिख रहा? उम्मीद है कि यह विश्व कप जैसे-जैसे आगे बढ़ेगा वैसे-वैसे खेलप्रेमी उसके प्रति आकर्षित होंगे और दिल्ली में आयोजकों को नेहरू स्टेडियम को भरने के लिए अतिरिक्त जतन नहीं करने पड़ेंगे।

फीफा अंडर 17 विश्व कप के प्रति देश के एक बड़े हिस्से में पर्याप्त जोश न दिखने का एक कारण शायद प्रचार-प्रसार में कमी के साथ यह भी रहा कि भारतीय टीम के चार अभ्यास मैचों का प्रसारण किसी भी नेशनल चैनल पर नहीं हो सका। इसके चलते आम दर्शक अपने ही खिलाड़ियों के प्रदर्शन को नहीं देख सके। अंडर 17 विश्व कप के मैच कोलकाता, गोवा, कोच्चि, मुंबई, गुवाहाटी और दिल्ली में होने जा रहे हैं। दिल्ली के अलावा उत्तर भारत का कोई अन्य शहर शायद इसीलिए आयोजन स्थल नहीं बन सका, क्योंकि वहां फुटबॉल के प्रति केरल, बंगाल या गोवा जैसा लगाव नहीं है। कोलकाता में फुटबॉल के माहौल से हर कोई वाकिफ है। तीन ऐतिहासिक फुटबॉल क्लब ईस्ट बंगाल, मोहन बागान और मोहम्मडन स्पोर्टिंग इस शहर की देन हैं। यहां की 119 साल पुरानी कोलकाता फुटबॉल लीग का खिताब जीतना इन क्लबों के लिए जीवन-मरण का सवाल बनता रहा है। इसी तरह गोवा के चर्चिल ब्रदर्स, सालगांवकर, डेंपों आदि अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। आज देश के अधिकतर शीर्ष खिलाड़ी गोवा और कोलकाता के क्लबों से ही खेलते हैं। गुवाहाटी को आयोजन स्थल मिलने की वजह पूर्वोत्तर के राज्यों में इस खेल की लोकप्रियता लगातार बढ़ना है। 90 के दशक में जहां एक अकेले बाईचुंग भूटिया स्टार होते थे वहीं आज भूटिया बन सकने वाले कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में मौजूद हैं। इस पर हर किसी को गौर करना चाहिए कि भारत की 21 सदस्यीय टीम में दस खिलाड़ी पूर्वोत्तर राज्यों के हैं और उनमें भी आठ मणिपुर से हैं। एक-एक खिलाड़ी मिजोरम और सिक्किम से हैं। इस टीम में दो खिलाड़ी एनआरआइ हैं। पंजाब के एक खिलाड़ी को छोड़ दें तो पूरे उत्तर भारत से कोई भी खिलाड़ी इस टीम में नहीं है। मणिपुर के आठ खिलाड़ियों का टीम में होना इस राज्य की अद्भुत उपलब्धि है। फुटबॉल में मणिपुर की कामयाबी से शेष देश को प्रेरणा लेनी चाहिए। यह ध्यान रहे कि पूर्वोत्तर में फुटबॉल की लोकप्रियता हाल का चलन है। बहुत दिन नहीं हुए जब फुटबॉल की सबसे बड़ी राष्ट्रीय लीग-आई लीग में पूर्वोत्तर की टीमों को महत्व नहीं मिलता था, लेकिन पिछले पांच साल से मिजोरम, मेघालय और मणिपुर की टीमों ने अपनी छाप छोड़ी है। इन टीमों ने देश को कई आला दर्जे की प्रतिभाएं भी दी हैं। इनमें मिजोरम की टीम ने तो ईस्ट बंगाल और मोहन बागान की टीमों की मौजूदगी में आई लीग का खिताब जीतकर भारतीय फुटबॉल इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर किया। कोच्चि को एक अन्य आयोजन स्थल इसीलिए बनाया गया, क्योंकि

केरल में फुटबॉल लगातार लोकप्रिय हो रहा है। इसी कारण यहां साई की एक्सलेंस एकेडमी है और सचिन तेंदुलकर केरल ब्लास्टर्स के को-ओनर हैं। मुंबई इसलिए आयोजन स्थल बना, क्योंकि यहां अच्छी सुविधाएं हैं और महाराष्ट्र की फुटबॉल टीम ने राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में अच्छा प्रदर्शन भी किया है। प्रसारण संबंधी उदासीनता और उचित प्रचार-प्रसार न होने के अलावा फुटबॉल के देश में पर्याप्त लोकप्रिय न होने की बड़ी वजह यह भी है कि देश में फ्लडलाइट्स के स्टेडियम बहुत कम हैं। फुटबॉल लीग के मुकाबले आम तौर पर दोपहर में शुरू होते हैं, जिससे उनका प्रसारण अधिकतम दर्शकों तक नहीं पहुंच पाता, लेकिन अब देश के छह आयोजन स्थलों में विश्व स्तर की सुविधाएं होने से ढांचागत सुविधाओं में इजाफा होगा। अगर भारतीय टीम ने कुछ संतोषजनक प्रदर्शन कर दिया तो समझिए कि यह आयोजन भारतीय फुटबॉल के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है। देश में हर स्तर पर फुटबॉल की लोकप्रियता बढ़े, इसके लिए संबंधित संस्थाओं को अपना रुख-रवैया दुरुस्त करना होगा। गोवा की तीन बड़ी टीमों का आई लीग से हटना, महिंद्रा का फुटबॉल से दूरी बनाना और राष्ट्रीय क्लबों का आई लीग में रुचि न लेना कुछ ऐसे कारण हैं जिनका निवारण होना चाहिए। इसलिए और भी, क्योंकि काफी कुछ सकारात्मक भी हो रहा है। यूरोपीय क्लबों के भारतीय परिवेश से जुड़ने के कारण भारतीय फुटबॉल टीम की रैंकिंग पिछले कुछ वर्षों में सुधरी है। पहले रैंकिंग 183 से 107 तक आई और फिर भारतीय टीम विश्व रैंकिंग में टॉप सौ के बैरियर को भी तोड़ने में सफल रही। अब बारी जूनियर फुटबॉल खिलाड़ियों की है। इस टीम के खिलाड़ियों की पहचान चार साल पहले ही कर ली गई थी। पुर्तगाल के लुइस नॉर्टन डि मातोस टीम के साथ बतौर कोच जुड़े हैं। उन्हें विश्वास है कि टीम अपने पूल में घाना, कोलंबिया और अमेरिका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करेगी।

भारतीय टीम के पास खोने के लिए कुछ नहीं है। घरेलू दर्शकों का साथ उसके आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ाने में कारगर साबित हो सकता है। घाना की टीम अंडर-17 विश्व कप की दो बार की चैंपियन है और आज उसके खिलाड़ी इंग्लैंड सहित यूरोप के तमाम क्लबों में खेल रहे हैं। भारत की डगर आसान तो नहीं होगी, लेकिन इतना जरूर कहा जा सकता है कि अगर हमारे लड़के उलटफेर करके अगले राउंड में पहुंचने में सफल रहे तो यह कामयाबी भारतीय फुटबॉल के लिए टर्निगं पॉइंट साबित हो सकती है। ध्यान रहे कि केवल बेहतर संसाधनों से ही कोई देश महान नहीं बनता। ऐसा होता तो इस विश्व कप में भाग ले रहा पश्चिम अफ्रीका का गरीब देश माली पिछली बार फाइनल तक न पहुंचता।

मिलावट का मौसम

केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह के अनुरोध पर गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (गोजमुमो) ने दार्जिलिंग समेत पूरे पहाड़ी क्षेत्र में बेमियादी बंद वापस लिया और 104 दिनों बाद पहाड़वासियों ने राहत की सांस ली। दार्जिलिंग में जनजीवन सामान्य होने लगा है लेकिन वहीं पहाड़ में सियासत गरमाने लगी है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व विधायक दिलीप घोष तीन दिवसीय पहाड़ दौरे पर हैं। गोजमुमो ने जहां घोष का स्वागत किया वहीं पहाड़ की कुछ सियासी पार्टियों ने जोरदार विरोध किया। जन आंदोलन पार्टी, गोरखा लिबरेशन फ्रंट और मोर्चा से अलग हुए विनय तामांग समर्थकों ने पहाड़ में घोष के रास्ते में काले झंडे दिखाया और गो बैक के नारे लगाए। गुरुवार को लगातार दूसरे दिन पहाड़ में इन पार्टियों के समर्थकों ने भाजपा नेता का विरोध किया। वहीं गोजमुमो समर्थकों ने गुरुवार को घोष को लेकर दार्जिलिंग में जुलूस निकाला। इस दौरान घोष पर हमला भी किया गया और उन्हें भाग कर थाने में छुपना पड़ा। उनके कुछ साथी की पिटाई की गई। विनय तामांग समर्थकों पर हमले का आरोप लगा है। तृणमूल ने भाजपा पर पहाड़ को फिर अशांत करने का आरोप लगाया है। दरअसल पहाड़ में तीन माह से अधिक समय तक चले बंद व हड़ताल से आम जनता ऊब चुकी थी। आंदोलन पर गोजमुमो की पकड़ ढीली पड़ती जा रही थी। ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने द्विपक्षीय बैठक बुलाई और सरकार का हस्तक्षेप बढने से गोजमुमो में फूट पड़ गई। विनय तामांग और अनित थापा गोजमुमो से अलग हो गए। पहाड़ में गुरुंग को अलग-थलग करने के लिए मुख्यमंत्री ने विनय तामांग और अनित थापा को नया प्रशासनिक बोर्ड का क्रमशः चेयरमैन और उप चेयरमैन बना दिया। दोनों नेता पहाड़ में बंद खत्म कराने को लेकर सड़क पर उतर गए। अपनी पकड़ कमजोर होते देख गुरुंग ने अंततः गृह मंत्री के अनुरोध का हवाला देकर बंद वापस ले लिया। अब पहाड़ में जब स्थिति स्वभाविक होने लगी है तो इसका श्रेय लेने के लिए प्रमुख राजनीतिक पार्टियों में होड़ लग गई है। दिलीप घोष ने दावा किया है कि उनकी पहल पर केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने हस्तक्षेप किया और तब जाकर गोजमुमो ने बंद वापस लिया। विनय तामांग समर्थक और पहाड़ की अन्य पार्टियां नहीं चाहती हैं कि भाजपा इसका श्रेय ले। इसलिए वे भाजपा नेताओं के विरोध में सड़क पर उतर गईं। पहाड़ में स्वाभाविक जनजीवन बहाल हो यही प्राथमिकता होनी चाहिए। केंद्र ने जब त्रिपक्षीय बैठक बुलाई है तो पहाड़ में राजनीतिक होड़ नहीं मचा कर सबको बैठक का इंतजार करना चाहिए और बातचीत से ही समस्या का समाधान तलाशना चाहिए।

रेलवे ट्रैक पर मिली आईसीएआई प्रेसिडेंट की बेटी की लाश

फैमिली को भेजा था मैसेज

मुंबई। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट नीलेश विकमसे की बेटी पल्लवी की बॉडी मुंबई में रेलवे ट्रैक के करीब मिली। घटना बुधवार रात की है। गुरुवार को पोस्टमॉर्टम के बाद बॉडी पल्लवी की फैमिली को सौंप दी गई। पल्लवी ने मौत से पहले पैरेंट्स को एक मैसेज किया था। इसमें लिखा-कोई जिम्मेदार नहीं। इसके बाद उनका फोन बंद हो गया था। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह हादसा है या खुदकुशी।

लॉ इंटर्न थी पल्लवी

पल्लवी (20) देश की फेमस चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्म खीमजीकुंवरजी एंड कंपनी के पार्टनर नीलेश की सबसे छोटी बेटी थीं। नीलेश 35 साल से आईसीएआई के मेंबर हैं। बताया जाता है कि बुधवार को पल्लवी लॉ इंटर्नशिप करके घर लौट रही थीं। पुलिस के मुताबिक, पल्लवी बुधवार शाम 6.00 बजे ऑफिस से निकली। यहां से वो सीएसटी पहुंची और घर के लिए लोकल में सवार हुई। इस वक्त तक उनका मोबाइन फोन ऑन था। पल्लवी जब देर रात तक घर नहीं पहुचीं तो फैमिली मेंबर्स ने उनके ऑफिस और दोस्तों से कॉन्टैक्ट किया। हालांकि, उनका कोई पता नहीं लग सका। फैमिली ने उसका फोटो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए, उसके बारे जानकारी देने की अपील की। पुलिस को लापता होने की जानकारी दी गई। कुछ देर बाद पल्लवी की डेड बॉडी करी रोड और परेल रेलवे स्टेशन के बीच पटरी पर पाई गई। पुलिस ने पल्लवी द्वारा सुसाइड करने का शक जताया है। मामले की जांच जारी है।

मुंबई भगदड़ की घटना को लेकर हाई कोर्ट ने रेलवे और एनआईए को जारी किया नोटिस

मुंबई। मुंबई के एलिफिंस्टन रोड और परेल स्टेशनों को जोड़ने वाले ओवरब्रिज पर पिछले शुक्रवार को मची भगदड़ में 23 लोगों की मौत हो गई थी। बंबई उच्च न्यायालय ने इस घटना की राष्ट्रीय जांच एजेंसी से जांच कराने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर एजेंसी और पश्चिम रेलवे को गुरुवार को नोटिस जारी किया। गत 29 सितंबर को हुए हादसे में 23 लोग मारे गए थे और 30 से ज्यादा घायल हुए थे। न्यायमूर्ति बी आर गवई की अध्यक्षता वाली एक खंडपीठ ने कहा, प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया जाए।

तीन हफ्ते बाद याचिका पर सुनवाई होगी। रेलवे और राष्ट्रीय जांच एजेन्सी को तीन सप्ताह के भीतर नोटिस का जवाब देना है। अदालत ने कहा कि एनआईए की वकील अरूणा कामत पाई और पश्चिम रेलवे के वकील सुरेश कुमार अगली सुनवाई के दौरान जवाब दें। स्थानीय निवासी फैजल बनारसवाला और अब्दुल कुरैशी ने जनहित याचिका में भारतीय रेलवे से इस तरह के पुलों से अवरोधों को हटाने, रास्ता साफ करने, एस्कलेटर लगाने तथा प्रवेश और निकास के कई बिंदु बनाने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। याचिका के अनुसार, नियमित रूप से पुल का इस्तेमाल करने वाले कई यात्रियों ने रेल अधिकारियों और सरकार को पत्रों एवं ट्वीट के जरिये पुल की हालत को लेकर आगाह किया था। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गयी। इसमें दावा किया गया कि अफवाह फैली थी कि पुल गिरने जा रहा है जिसके बाद भगदड़ मची। याचिका में कहा गया, अफवाह से यात्रियों में कोलाहल शुरू हो गया। पुलिस से इस बात की जांच कराने की जरूरत है कि क्या घटना एक तरह का आतंकी हमला तो नहीं। एनआईए को इस कोण की जांच करने का निर्देश दिया जाए।

महिला ने दिया ओला कैब में बच्चे को जन्म

मिलेगी 5 साल तक फ्री राइड

पुणे। मां बनना दुनिया का सबसे बड़ा सुख है लेकिन ईश्वरी सिंह विश्वकर्मा को यह सुख बहुत ही अलग तरीके से मिला। वह आज एक बच्चे की मां बन गई लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि उसकी डिलीवरी ओला कैब में हुई। दो अक्टूबर की सुबह कोंढवा की रहने वाली ईश्वरी को अचानक पेट में दर्द उठा, उसी दौरान उनकी एक रिश्तेदार ने अस्पताल जाने के लिए एक ओला कैब बुलाई। कुछ मिनटों में ही कैब चालक यशवंत गलांडे वहां पहुंच गए। महिला को कैब में बिठाया गया और अस्पताल की तरफ निकल पड़े। मगर थोड़ी ही देर बाद महिला ने कैब में ही एक बेटे को जन्म दे दिया। इसके बाद पेठ स्थित कमला नेहरू अस्पताल में महिला को एडमिट कराया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों मां-बेटे को सही-सलामत बताया। 21 साल की ईश्वरी को इस खुशी के साथ बोनस खुशी भी मिली है। ओला कंपनी ने अगले पांच सालों के लिए दोनों मां-बेटे के लिए गिफ्ट में फ्री राइड्स देने की घोषणा की है। पिता बने रमेश विश्वकर्मा एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। उन्होंने बताया, मेरी पत्नी की संभावित डिलीवरी डेट 24 अक्टूबर थी। मगर 2 अक्टूबर को देर रात से उसे तेज दर्द शुरू हुआ और उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही बच्चे ने जन्म ले लिया। ओला कंपनी की फ्री सर्विस बच्चे के नाम से कूपन द्वारा ली जा सकेगी। कैब कंपनी की इस घोषणा के बाद महिला बहुत उत्साहित है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

एक लाइसेंस पर चल रहे चार होटलों...

शरद उघाड़े ने दावा किया है कि जबतक मैं हूं खार पश्चिम के इस होटल पर कोई कार्रवाई नहीं होगी और यह पूर्व की तरह चलता ही रहेगा। उसने यह भी दावा किया कि उसके इस काम में उनके बडे अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है। हम आपको पहले ही बता चुके हैं कि खार पश्चिम स्थित प्लाट नंबर ९ए, राज कुटीर बिल्डिंग, तीसरा रास्ता में दुलाली, श्री वाइज मंकी, क्वार्टर पीलर और ट्यूनिंग फोर्क नाम के चार होटल एक साथ चल रहे हैं मगर इन सब के लाइसेंस एक ही नाम- सम्राट होटल रेस्टोरेंट के नाम पर है और इसके दो मालिक परमजीत सिंह घई और श्रीमती रतनदीप कौर घई हैं। हैरत की बात यह है कि इन चारों होटल के मालिक और मैनेजर को किसी अवैध गतिविधियों के कारण मनपा एच/डब्ल्यू और खार पश्चिम पुलिस थाने के अधिकारियों द्वारा तलब किया जाता है और उनसे होटल संबंधित कागजात दिखाये जाने को कहा जाता है तो वे सभी एक ही नाम सम्राट होटल रेस्टोरेंट का लाइसेंस दिखाकर उन्हें गुमराह करते हैं। जबकि सम्राट होटल बहुत पहले ही बंद हो चुका है। लेकिन यह सब दिखावे की बातें हैं। मनपा एच/पश्चिम के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों ने इन होटलों को अपनी देखरेख में चलाने के काले कारनामे को अंजाम देने में व्यस्त हैं। जानकारी यह भी मिली है कि इन होटलों से होने वाली काली कमाई का बड़ा हिस्सा मनपा के भ्रष्ट अधिकारी अपने उपर के अधिकारियों तक पहुंचाते हैं। जिसमें मनपा सहायक आयुक्त शरद उघाड़े का नाम सबसे उपर है। इतना ही नहीं, दुलाली, श्री वाइज मंकी, क्वार्टर पीलर और ट्यूनिंग फोर्क इन चारों होटलों ने अपने सामने की खाली पड़ी जमीन और फुटपाथ को भी अपने कब्जे में लेकर उसपर अवैध निर्माण कर लिया है जहां पर उनका शराब का धंधा बिना किसी खौफ के चल रहा है। जबकि दुलाली होटल के उपर बने बेन्क्वेट हॉल को भी इसके मालिक ने शराबखाना में तब्दील कर दिया है। इसके अलावा ट्यूनिंग फोर्क के पहले माले पर अवैध कब्जा करके वहां भी धंधा किया जा रहा है। आपको बता चुके हैं कि बंद हो चुके सम्राट होटल का लाइसेंस परमजीत सिंह घई और श्रीमती रतनदीप कौर घई के नाम से है, जिन्होंने अपने एक ही पुराने लाइसेंस पर चार-चार होटल खोल रखे हैं और मनपा, पुलिस और लोगों की आखों में धूल झोंक रहे हैं। मुंबई हलचल ने जब इन होटलों की गहराई में जाकर छानबीन की तो यह बात भी सामने आई कि ये चारो होटल मनपा सहायक आयुक्त शरद उघाड़े की शह पर चल रहा है। उनकी विशेष कृपा इन होटलों पर है। जबकि एच/पश्चिम के पानी खाता और वैद्यकीय आरोग्य विभाग को भी इस संबंध में कई बार शिकायतें की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। पढ़ते रहिए इन होटलों की पूरी जानकारी प्रतिदिन एक-एक करके।

चीन की गद्दारी

म्यांमार के डोकलाम पठार से चीन की गिद्ध दृष्टि अभी तक हटी नहीं थी। उसने सैनिकों को पीछे हटाने का समझौता करके इसका भ्रम पैदा किया था। चीन या तो समझता नहीं है या सोचता नहीं है या फिर सुधरने को तैयार नहीं है। खैर जो भी हो, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का जितना मजाक उसने उड़ाया है, वह दुनिया के लिए एक मिसाल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बीजिंग यात्रा के बाद चीन डोकलाम पर फिर से अपने पुराने रंग में आ गया है। चीन ने पिछले महीने ही किया गया अपना वादा तोड़ दिया है। उसने वादा किया था कि भारत और चीन अपने-अपने सैनिकों को पीछे हटा लेंगे और डोकलाम में फिर दखल नहीं देंगे। लगता है कि चीन एक बार फिर से भारत के सब्र का इम्तिहान लेने पर आमादा है। चीन ने न सिर्फ डोकलाम में फिर से अपने सैनिकों की तैनाती की है, बल्कि उनकी तादाद लगातार बढ़ाता जा रहा है। इस इलाके में 73 दिनों तक भारत और चीन की सेनाओं के बीच तनातनी चली थी। 28 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन यात्रा से पहले एक समझौते के तहत दोनों देशों ने सैन्य विवाद को सुलझाने का वादा किया था, लेकिन चीन ने उस वादे की पीठ में खंजर भोंक डाला है। प्रधानमंत्री ने बृहस्पतिवार को ही अपने भाषण के दौरान डोकलाम विवाद को सुलझाने को लेकर अपनी पीठ थपथपाई थी।

मुंबई में जोरदार बारिश

भारी बारिश के चलते जगह-जगह पानी भर गया, जिससे लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। पिछले कुछ दिनों से थमी बारिश ने दोपहर में मुंबई में फिर से दस्तक दी। गर्मी से परेशान लोगों को हालांकि बारिश से थोड़ी राहत भी मिली। दोपहर साढ़े तीन बजे मुंबई शहर और आसपास के इलाकों में अंधेरा छा गया। दिन में ही रात जैसा माहौल दिखाई दिया।

इन गंभीर सवालों पर क्यों चुप हैं प्रधानमंत्री मोदी?

गिरती जीडीपी को लेकर पिछले दिनों अपनी ही पार्टी के नेता यशवंत सिन्हा, अरुण शौरी और शत्रुघ्न सिन्हा के निशाने पर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीरवार को विज्ञान भवन में दिए भाषण में देशवासियों खासकर व्यापारियों की चिंता के निवारण का भरपूर प्रयास किया। हालांकि जाने-माने अर्थशास्त्रियों के मुताबिक इसके बावजूद भी अभी कई ऐसे गंभीर सवाल बरकरार हैं, जिन पर प्रधानमंत्री ने चुप्पी साध रखी है।

निजी सेक्टर में निवेश?

प्रधानमंत्री ने निजी सेक्टर में निवेश के बारे में कुछ नहीं कहा। वाजिब सवाल है कि उनकी सरकार निजी क्षेत्र में निवेश में कुछ खास क्यों नहीं कर सकी? मॉनीटरिंग कंपनी के सीईओ महेश व्यास कहते हैं कि जारी तिमाही में निवेश के प्रस्ताव पिछली 15 तिमाही में सबसे कम हैं।

नए रोजगार

पीएम ने नए रोजगार पैदा न हो पाने की गंभीर समस्या के बारे में कुछ भी नहीं बोला। सरकारी आंकड़ों के अनुसार ओबीसी वर्ग में बेरोजगारी की दर बहुत तेजी से बढ़ रही है। कई योजनाएं लागू करने के बावजूद सरकार के पास इस गंभीर सवाल का जवाब नहीं है।

महंगाई पर ब्रेक का श्रेय?

पीएम ने राजकोषीय घाटे में सुधार की बात कही है। यह सही है कि सरकारी घाटे में कमी आई है। लेकिन, ऐसा सरकार की नीति के चलते नहीं बल्कि क्रूड ऑयल के दामों में आई कमी के चलते हुआ है, जिससे आयात बिलों में गिरावट हुई है। वहीं, कम महंगाई का श्रेय आरबीआई को जाता है, जिसकी अच्छी नीति ने खुदरा महंगाई को लम्बे समय के लिए रोक कर रखा।

जीडीपी कैसे ऊपर होगी?

मोदी ने केवल जून की तिमाही में कम जीडीपी दर (5.7 फीसदी) की आलोचना के लिए आलोचकों को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि यूपीए के दौर में यह इससे भी नीचे जा चुकी थी। यह पूरी तरह से सही नहीं है। सच यह है कि विकास दर पिछली पांच तिमाही से लगातार गिर रही है। जीडीपी में ज्यादातर गिरावट जनवरी-मार्च और अप्रैल-जून में ज्यादा सरकारी खर्च के कारण हुई। वहीं दो कार्यकाल की तुलना भी ठीक नहीं है क्योंकि जीडीपी का फॉमूर्ला बदल गया है। ऐसे में सवाल है कि गिर रही जीडीपी कैसे ऊपर जाएगी और नुकसान की भरपाई कैसे होगी।

बैंकिंग क्षेत्र पर चुप्पी?

बैंकिंग क्षेत्र में गड़बड़ी पर पीएम ने कुछ भी नहीं बोला। हालांकि, पीएम एनपीए से न निपटने के लिए यूपीए पर दोष मढ़ सकते हैं, लेकिन डूबते ऋण और पुनर्पूंजीकरण से निपटने में देरी के लिए कोई बहाना नहीं बना सकते। तीन साल में एनपीए की समस्या जस की तस बनी हुई है। यह बड़ा सवाल खड़ा करता है क्योंकि बैंकिंग इंडस्ट्री की 70 फीसदी संपत्ति पर राज्यों के स्वामित्व वाले बैंकों के जरिए सरकार का नियंत्रण है।

महात्मा गांधी की हत्या को लेकर फिर उठे सवाल, SC करेगा सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने महात्मा गांधी की हत्या की जांच फिर से कराए जाने की मांग करने वाली याचिका पर आज तमाम सवाल पूछे और वरिष्ठ अधिवक्ता अमरेंद्र शरण को न्यायमित्र नियुक्त किया। न्यायमूर्ति एस ए बोबडे और न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की पीठ ने इस मामले में अदालत की मदद करने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अमरेंद्र शरण को न्यायमित्र नियुक्त किया। करीब 15 मिनट तक चली सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने पहले कहा कि जिस मामले पर वर्षों पहले फैसला हो चुका है, उस पर कानून में कुछ भी नहीं किया जा सकता।

30 अक्तूबर को होगी मामले की सुनवाई – न्यायालय ने बाद में शरण से कहा कि इसकी टिप्पणी इस मामले में आकलन करने के लिए उन पर बाध्यकारी नहीं है। कोर्ट ने मामले

की अगली सुनवाई के लिए 30 अक्तूबर की तारीख तय की। मुंबई के शोधकर्ता और अभिनव भारत के न्यासी डा. पंकज फडणीस की याचिका में विभिन्न पहलुओं पर जांच फिर से कराए जाने की मांग की गई है। इसमें दावा किया गया कि यह (महात्मा गांधी की हत्या से जुड़ी जांच) इतिहास का सबसे बड़ा कवर अप्स (पर्दा डालना) रहा है। नाथूराम विनायक गोडसे ने 30 जनवरी, 1948 को नजदीक से गोली मारकर गांधी की हत्या कर दी थी।

मोदी सरकार की गलत नीतियों के विरुद्ध उठने वाली आवाजों को दबा रही है BJP

बसपा सुप्रीमो मायावती ने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकारें जनाक्रोश दबाने के लिए कानून का अनुचित इस्तेमाल कर रही हैं। मायावती ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की गरीब, किसान व जनविरोधी नीतियों एवं गलत कार्यप्रणाली के विरुद्ध उठने वाले जनाक्रोश को दबाने के लिए भाजपा सरकारें कानून का अनुचित उपयोग कर रही हैं। लोगों पर विभिन्न प्रकार का मुकदमा कायम करके सरकारी निरंकुशता को अपना नया हथियार बना रही हैं जो सर्वथा अनुचित होने के साथ ही लोकतन्त्र की हत्या के प्रयास के समान है। मायावती ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों खासकर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, हरियाणा, गुजरात व राजस्थान में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री पर टिप्पणी करने पर विभिन्न धाराओं में मुकदमें दर्ज

करने की नई परम्परा शुरू हो गई है। यह लोकतन्त्र का गला घोंटने जैसा है। यह भाजपा सरकार की तानाशाही प्रवृति को प्रमाणित करता है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत के मशहूर अभिनेता प्रकाश राज पर मुकदमा व शामली, उत्तर प्रदेश में दलित युवक की इसी सम्बन्ध में गिरफ्तारी आदि यह साबित करती है कि भाजपा सरकारें निरंकुश होती जा रही हैं।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार ने दूरदर्शन व आकाशवाणी को हिका मोदी वायस बनाकर उसका महत्व समाप्त कर दिया है जबकि निजी मीडिया चैनलों पर अप्रत्यक्ष नियन्त्रण करके उसकी स्वतन्त्रता को खत्म करने का प्रयास लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष व स्वतन्त्र विचार रखने वाले लेखकों, साहित्यकारों व पत्रकारों को अलग-अलग ढंग से निशाना बनाया जा रहा है, जो किसी से छुपा नहीं है। मायावती ने कहा कि कुल मिलाकर यह ऐसी घातक प्रवृत्ति है जिससे लोकतन्त्र को खतरा पैदा हो रहा है। इस सम्बन्ध में न्यायपालिका का हस्तक्षेप कारुरी मालूम होने लगा है ताकि प्रत्येक स्तर पर जारी भाजपा की सरकारी निरंकुशता पर अंकुश लगाया जा सके।

उन्होंने कहा कि बीजेपी एंड कम्पनी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की संकीर्ण एवं घातक सोच का ही परिणाम है कि समाज के दबे-कुचले लोगों को पहले जातिवादी व धार्मिक निरंकुशता का शिकार बनाया जाता है और फिर गुजरात में गरबा का कार्यक्रम देखने पर दलित युवक की हत्या कर दी जाती है। उन्होंने कहा कि खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ाने वालों व अन्य संगीन अपराध करने वाले भाजपाई तत्वों का सात खून माफ कर दिया जाता है तथा उनको समर्थन व संरक्षण प्रदान करने वाले हर प्रकार के बयान दिए जाते हैं।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि देश में यह दुर्भाग्यपूर्ण व विनाशक प्रवृत्ति बहुत तेजी से पनप रही है, जो समाज व देश के लिए अत्यन्त घातक है। भाजपा के लोग अपने आपको कानून व संविधान से ऊपर समझने लगे हैं।

बीमार पति से मिलने के लिए शशिकला को पांच दिनों के लिए मिली पैरोल

जेल में बंद अन्नाद्रमुक नेता वी. के. शशिकला को अपने बीमार पति से मिलने के लिए आज पांच दिन का पैरोल मिल गया है। कर्नाटक के जेल अधिकारियों ने उनके पैरोल को मंजूरी दी है। जेल अधिकारियों ने बताया कि शशिकला ने 15 दिन का पैरोल मांगा था, लेकिन उन्हें सिर्फ पांच दिन का पैरोल मिला है। शशिकला के पति लीवर और किडनी प्रतिरोपण के निए फिलहाल चेन्नई के एक अस्पताल में भर्ती हैं। जेल परिसर के बाहर शशिकला के वकील कृष्णाप्पन ने संवाददाताओं को बताया कि अन्नाद्रमुक नेता के पैरोल का हलफनामा तमिलनाडु से राज्यसभा के सदस्य नवीन कृष्णन ने दिया। उन्होंने कहा, 1,000 रुपए का मुचलका जमा कर दिया गया है। जेल परिसर के बाहर शशिकला के करीब 1,000 समर्थक एकत्र थे। कृष्णाप्पन ने कहा कि शशिकला के भांजे टीटीवी दिनाकरण ने जेल पहुंच कर पैरोल की औपचारिक्ताएं पूरी कीं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु पुलिस ने पहले ही शशिकला को पैरोल देने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र दे दिया है। गौरतलब है कि जरूरी दस्तावजे जमा नहीं करने पर तकनीकी आधार पर तीन अक्तूबर को शशिकला का पहला आवेदन खारिज हो गया था। इसके बाद उन्होंने दूसरा आवेदन दिया था। उनके आज दोपहर चेन्नई रवाना होने की संभावना है।

अब डाकघर के लिए भी जरूरी होगा आधार कार्ड
31 दिसंबर तक देनी होगी डिटेल

सरकार ने सभी डाकघर जमा खातों के लिए बायोमीट्रिक पहचान संख्या आधार को अनिवार्य कर दिया है। अब डाकघरों में लोक भविष्य निधि (पी.पी.एफ.), राष्ट्रीय बचत पत्र (एन.एस.सी.) तथा किसान विकास पत्र (के.वी.पी.) के लिए अपना आधार नंबर देना जरूरी होगा। मौजूदा जमाकर्ताओं को 12 अंक की अपनी विशिष्ट पहचान संख्या देने के लिए 31 दिसंबर, 2017 तक का समय दिया गया है।

आधार कार्ड होगा जरूरी

वित्त मंत्रालय ने चार अलग गजट अधिसूचनाएं जारी कर सभी डाकघर जमा खातों, पी.पी.एफ., एन.एस.सी. और के.वी.पी. खाते खोलने के लिए आधार को अनिवार्य कर दिया है। 29 सितंबर को जारी अधिसूचना में कहा

गया है कि यदि किसी व्यक्ति को आधार नंबर नहीं मिला है तो उसे अपने आधार नामांकन का प्रमाण देना होगा। इसमें कहा गया है कि मौजूदा जमाकर्ताओं जिन्होंने आवेदन के समय अपना आधार नंबर नहीं दिया है वे संबंधित डाकघर बचत बैंक या संबंधित कार्यालय में इसे 31 दिसंबर 2017 या उससे पहले जमा कराएं।

काले धन पर रोक लगाना

मुख्य मकसद

सरकार बैंक जमा खातों, मोबाइल फोन और कई अन्य सुविधाओं के लिए आधार नंबर अनिवार्य करने पर जोर दे रही है। इसके पीछे का मकसद बेनामी सौदों तथा कालेधन पर अंकुश लगाना है। पिछले महीने सरकार ने सरकारी योजनाओं और सब्सिडी का लाभ लेने के लिए आधार नंबर हासिल करने की समयसीमा तीन महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर तक कर दी थी। इससे पहले यह समयसीमा 30 सितंबर थी। इस विस्तार के दायरे में 35 मंत्रालयों की 135 योजनाएं आएंगी। इनमें गरीब महिलाओं के लिए मुफ्त रसोई गैस, केरोसिन और उर्वरक सब्सिडी तथा लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली और मनरेगा योजनाएं आएंगी।

दोबारा सर्जिकल स्ट्राइक किया तो हम चुप नहीं बैठेंगे-पाकिस्तान

पाकिस्तान के विदेश मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत को अपने यहां सर्जिकल स्ट्राइक करने या अपने परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के खिलाफ आगाह करते हुए कहा कि अगर ऐसा होता है तो कोई भी उनके देश से संयम की उम्मीद ना करे। इससे पहले भारत के वायुसेना प्रमुख बीएस धनोवा ने कहा था कि भारतीय सैन्य बल एक व्यापक अभियान के लिए तैयार हैं। आसिफ ने उनके बयान की तरफ इशारा करते हुए कहा कि पाकिस्तान अपने पड़ोसी देशों के साथ शांति से रहना चाहता है लेकिन भारत पाकिस्तान में लक्षित हमले करता है या उसके परमाणु

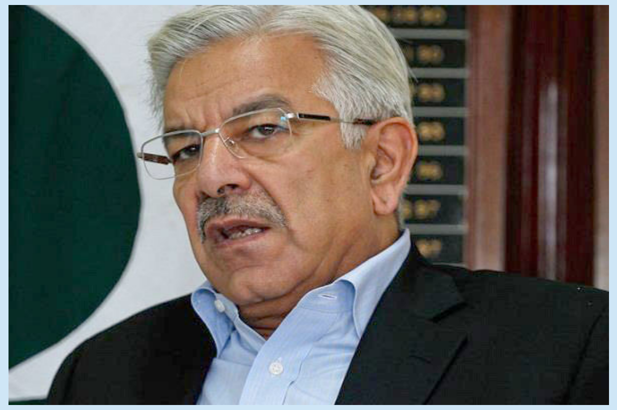

प्रतिष्ठानों को निशाना बनाता है तो किसी को भी उससे संयम की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। उन्होंने वाशिंगटन स्थित थिंक टैंक यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ पीस में अपने एक संबोधन में कहा, भारत के साथ संबंध इस समय सबसे निचले पायदान पर पहुंच गए हैं। विदेश मंत्री ने भारत से जुड़े एक सवाल में जवाब में कहा, दुखद रूप से भारत ने संबंध सुधारने की पाकिस्तान की कोशिशों का जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा, कश्मीर में जो हो रहा है, वह बातचीत सामान्य करने के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा है।

PAK ने पुंछ में लगातार 2 घंटे तक की फायरिंग, भारत ने दिया मुंहतोड़ जवाब

पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ स्थित देगवार सेक्टर में आज फिर से सीजफायर का उल्लघंन किया। पाकिस्तान ने रात करीब 1 बजे से लेकर तड़के तीन बजे तक फायरिंग की। पाकिस्तान ने बिना किसी उकसावे के गोलाबारी की। भारतीय सेना ने पाकिस्तान की इस नापाक हरकत का मुंहतोड़ जवाब दिया। फिलहाल खबर लिखे जाने तक किसी हताहत की खबर नहीं थी। बता दें कि इसी महीना पाकिस्तान करीब 2-3 बार सीजफायर का उल्लघंन कर चुका है। इससे पहले बुधवार को भी पाकिस्तान ने पुंछ जिले में गोलीबारी की थी, जिसमें सेना के तीन जवान घायल हो गए थे। पाकिस्तानी सेना ने देगवार, तालवान और मंडियालां इलाकों में भारतीय चौकियों को निशाना बनाते हुए मोर्टार से गोले दागे और स्वचालित व छोटे हथियारों से गोलीबारी की थी।

चीन से करीब 12K की दूरी पर एयरफोर्स का MI-17 क्रैश

भारतीय वायुसेना का एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर आज अरुणाचल प्रदेश के तवांग के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे उसमें सवार सात सैन्यकर्मियों की मौत हो गई तथा एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। वायुसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हादसा सुबह लगभग छह बजे उस समय हुआ जब टक-17 श5 हेलीकॉप्टर मैंटीनेंस मिशन पर था। अधिकारी ने कहा, दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दे दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, हेलीकॉप्टर पर सेना का कम से कम एक कर्मी सवार था और माना जा रहा है कि हादसे में मरने वालों में भारतीय वायुसेना के दो पायलट भी शामिल हैं। यह हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ। दुर्घटनास्थल चीन से करीब 12 किमी की दूरी पर है।

एयरफोर्स डे से दो दिन पहले बड़ा हादसा

8 अक्तूबर को वायुसेना बड़े उत्साह के साथ एयरफोर्स डे मनाती है। वायुसेना प्रमुख बी. एस. धनोआ ने गुरुवार को कहा था, शांतिकाल में होने वाली क्षति चिंता का विषय है। हम दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने और अपनी संपत्ति के संरक्षण के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं। वह हाल के वर्षों में भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों और सेना के जेट विमानों की दुर्घटनाओं का हवाला दे रहे थे।

सूत्रों का कहना है कि बचाव दल भारत-चीन सीमा पर स्थित तवांग में हादसा स्थल पर पहुंच गए हैं। घायल कर्मी को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एमआई-17 रूस में बना सैन्य परिवहन हेलीकॉप्टर है।

टैलीकॉम सैक्टर में जा सकती है 1.50 लाख लोगों की नौकरी

कर्ज के बोझ और घाटे की वजह से टैलीकॉम सैक्टर में अब छंटनी का खतरा मंडराने लगा है। इंडस्ट्री अनुमान के मुताबिक करीब 1,50,000 डायरैक्ट और इनडायरैक्ट नौकरियां जा सकती हैं। टैलीकॉम सैक्टर इस समय बहुत अधिक कर्ज में दबा है जो कि एक अनुमान के मुताबिक करीब 8 लाख करोड़ रुपए है। इसके अलावा कस्टमर बेस बढ़ाने की प्रतिस्पर्धा

में दिए जा रहे ह्यमुफ्त आफर्सह्न की वजह से कंपनियां घाटे में हैं।

यह सैक्टर कितनी मुश्किलों में है इसका अंदाजा संचार मंत्री मनोज सिन्हा के बयान से लगाया जा सकता है, जो उन्होंने हाल ही में इंडिया मोबाइल कांग्रेस में दिया। उन्होंने कहा कि सरकार सैक्टर में मौजूद दबाव से परिचित है। हम सुनिश्चित करेंगे कि सैक्टर मरे नहीं। इंडस्ट्री के जानकारों के मुताबिक टैलीकॉम कंपनियों के पास कॉस्ट कटिंग के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है इसलिए अब छंटनी का सहारा लिया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने मृत्युदंड के लिए दिए जाने वाले फांसी की सजा से कम कष्टकर दूसरा तरीका अपनाए जाने की मांग पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा, न्यायमूर्ति एएम खानविलकर और न्यायमूर्ति धनन्जय वाई चन्द्रचूड़ की तीन सदस्यीय खंडपीठ ने मौत की सजा पर अमल के लिये मृत्यु होने तक फांसी पर लटकाने के वर्तमान तरीके के खिलाफ विधि आयोग की 187वीं रिपोर्ट के आधार पर दायर जनहित याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया. केंद्र को तीन सप्ताह के भीतर नोटिस का जवाब देना है। जनहित याचिका दायर करने वाले वकील ऋषि मल्होत्रा ने दलील दी है कि संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त जीने के अधिकार में मौत की सजा के निर्णय पर कैदी पर सम्मानजनक तरीके से अमल का अधिकार भी शामिल है ताकि मृत्यु कम पीड़ादायक हो। याचिका में शीर्ष अदालत के अनेक फैसलों का हवाला दिया गया है जिनमें मौत की सजा पाने वाले कैदी को फांसी पर लटकाने के तरीके की आलोचना की गई है।

दंड प्रक्रिया संहिता के प्रावधान के तहत मौत की सजा पाने वाले कैदी को उसकी गर्दन से फांसी पर लटकाने का प्रावधान है। याचिका में इस प्रावधान की संवैधानिकता को भी चुनौती दी गई है।

मोदीजी! छाती ठोकना बंद करें: डोकलाम में चीन के फिर सड़क बनाने पर राहुल

नई दिल्ली। डोकलाम में चीन की सेना के सड़क बनाने की खबरों पर राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। राहुल ने ट्वीट कर कहा कि मोदीजी, जब आप छाती ठोकना बंद कर दें, तो क्या कृपया इसे समझाने का कष्ट करेंगे? बता दें कि चीन की सेना डोकलाम में जहां सड़क बना रही है, वह पिछली बार के विवादित इलाके से महज 12 किमी दूर है। भारतीय अफसरों का दावा है कि चीन इस विवादित इलाके में रोड को एक्स्टेंड कर रहा है। इसमें लगे इम्प्लॉइज को उसके 500 जवान सिक्युरिटी दे रहे हैं। खबर के मुताबिक सूत्रों का कहना है कि चीन डोकलाम में धीरे-धीरे सेना बढ़ा रहा है। लिहाजा इलाके में फिर से तनाव बढ़ सकता है। सूत्रों की मानें तो विवादित जगह से महज 12 किमी की दूरी तक चीनी सेना सड़क बना रही है। इस बीच एयरचीफ मार्शल बीएस धनोआ ने गुरुवार को कहा कि चुम्बी घाटी में चीनी सेना मौजूद है। हम उम्मीद करते हैं कि वो वहां से जल्दी ही लौट जाएंगे। एयरफोर्स की एनुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में धनोवा ने बताया कि चीनी सेना की मौजूदगी के बावजूद डोकलाम में भारत और चीन की सेना आमने-सामने नहीं हैं। एयरफोर्स चीफ ने कहा-दोनों सेनाएं आमने-सामने नहीं हैं। दोनों देश इस क्षेत्र की बड़ी पॉलिटिकल और इकोनॉमिक पावर हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि समझदारी दिखाई जाएगी और इस समस्या को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझा लिया जाएगा। क्योंकि, यही दोनों देशों के हित में है। इसके लिए पॉलिटिकल और डिप्लोमैटिक लेवल पर कोशिशें की जानी चाहिए।

डोकलाम विवाद क्या था?

चीन सिक्किम सेक्टर के डोकलाम इलाके में सड़क बना रहा था। यह घटना जून में सामने आई थी। डोकलाम के पठार में ही चीन, सिक्किम और भूटान की सीमाएं मिलती हैं। भूटान और चीन इस इलाके पर दावा करते हैं। भारत भूटान का साथ देता है। भारत में यह इलाका डोकलाम और चीन में डोंगलोंग कहलाता है। चीन ने 16 जून से यह सड़क बनाना शुरू की थी। भारत ने विरोध जताया तो चीन ने घुसपैठ कर दी थी। चीन ने भारत के दो बंकर तोड़ दिए थे। लेकिन, जब भारतीय सेना ने सख्ती दिखाई तो चीन ने सड़क का काम रोक दिया। 72 दिन बाद यह विवाद अगस्त में मोदी के चीन दौरे के पहले हल हुआ। दोनों सेनाएं पीछे हट गईं। दरअसल, सिक्किम का मई 1975 में भारत में विलय हुआ था। चीन पहले तो सिक्किम को भारत का हिस्सा मानने से इनकार करता था। लेकिन 2003 में उसने सिक्किम को भारत के राज्य का दर्जा दे दिया। हालांकि, सिक्किम के कई इलाकों को वह अपना बताता रहा है।

राहुल ने जीएसटी पर भी मोदी सरकार को घेरा

उन्होंने लिखा-हमारी ख्वाहिश है कि मोदीजी इकोनॉमिक ग्रोथ में आ रही गिरावट को देखें। अपने राजनीतिक हित साधने की बजाय जीएसटी से हो रही कारोबारियों को परेशानी को दूर करने की कोशिश करें। सबसे पहले ऑइल की कीमतों को जीएसटी के तहत लाना होगा ताकि आम आदमी को राहत मिल सके। सरकार को अकेले इससे 2 लाख 73 हजार करोड़ मिल रहे हैं। टेक्सटाइल इंडस्ट्री सबसे ज्यादा जॉब देती है, लेकिन जीएसटी स्ट्रक्चर से यहां पर भी असर पड़ा। कारोबारी, छोटे और मझोले उद्योग जो कभी लगातार फायदे में रहा करते थे आज घाटे में हैं। एग्रीकल्चर सेक्टर सबसे ज्यादा नुकसान में है। कीटनाशक, फर्टिलाइजर्स, ट्रैक्टर्स, इक्विपमेंट्स और वेयरहाउस बनाना सब जीएसटी के तहत आ गया है। अब वक्त आ गया है कि सरकार एक देश- सात टैक्स से आजादी दिलाए। कारोबारियों को ज्यादा फॉर्म भरने का झंझट न हो। टैक्स प्रोसेस को आसान बनाया जाए।

यूपी में बनेंगी पीएसी की तीन महिला बटालियन

लखनऊ। प्रदेश में जल्द पीएसी की तीन महिला बटालियन वजूद में होंगी। पीएसी अधिकारियों ने इसकी बुनियाद के लिए जमीनें तलाशनी शुरू कर दी हैं। खासकर आगरा एक्सप्रेस के किनारे भी एक बटालियन बनवाए जाने की भी योजना है। साथ ही मेट्रो व प्रदेश में प्रस्तावित कई छोटे एयरपोर्ट की सुरक्षा-व्यवस्था के लिए भी पीएसी अपनी तैयारियां कर रही है। उप्र में झलकारीबाई, अवंतीबाई व ऊदादेवी के नाम से पीएसी की तीन महिला बटालियन बननी हैं। बताया गया कि प्रदेश सरकार ने अपने लोक संकल्प कल्याण पत्र में भी इसकी घोषणा की थी। एडीजी पीएसी आरके विश्वकर्मा ने बताया कि एक बटालियन के लिए करीब 70 से 100 एकड़ भूमि की जरूरत होगी। तीन महिला बटालियन बनवाने के लिए जमीन की तलाश की जा रही है। आगरा एक्सप्रेसवे के किनारे भी महिला बटालियन के लिए जमीन तलाशी जा रही है। ताकि वहां से पीएसी बटालियन को आसपास के जिलों में आवागमन की सुविधा रहेगी। इसके अलावा बुंदेलखंड व अन्य स्थानों पर भी बटालियनों के लिए जमीन तलाशी जा रही है। बताया गया कि नोएडा से ग्रेटर नोएडा के बीच हो रहे मेट्रो के विस्तार में सुरक्षा की जिम्मेदारी पीएसी को दी जानी है।

वहीं प्रदेश में प्रस्तावित छोटे एयरपोर्ट की सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर भी तैयारियां चल रही हैं। आने वाले समय में सुरक्षा-व्यवस्था की चुनौतियों के दृष्टिगत ही स्टेट सिक्योरिटी फोर्स के गठन की तैयारी भी चल रही है।

नोटबंदी व जीएसटी से उद्योगों पर पड़ रहा बुरा असर: एसोचेम

लखनऊ। प्रदेश की परियोजनाओं में हो रही देर के लिए सरकार को चेताते हुए उद्यमियों ने इसमें तेजी लाने के लिए निगरानी समिति गठित करने का सुझाव दिया है। उद्यमियों के संगठन एसोचेम का कहना है कि नोटबंदी व जीएसटी लागू होने से उद्योगों पर विपरीत असर पड़ा है, जबकि आटोमेशन ने भी बेरोजगारी के संकट को बढ़ा दिया है। इससे निपटने के लिए उद्यमियों ने मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत बताई है। वित्तीय वर्ष 2011-12 से 2016-17 के दौरान प्रदेश के आर्थिक विकास व निवेश को लेकर तैयार की गई रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मंत्रिपरिषद को भेजने के बाद एसोचेम के राष्ट्रीय महासचिव डीएस रावत ने बताया कि 31 मार्च तक प्रदेश में आए करीब नौ लाख करोड़ रुपये की 1050 परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए प्रदेश सरकार को निगरानी समिति गठित करने का सुझाव दिया गया है। रावत ने कहा कि इसमें से आधी परियोजनाओं

को भी यदि समय से लागू कर दिया जाए तो प्रदेश में रोजगार के एक लाख प्रत्यक्ष अवसर और डेढ़ लाख अप्रत्यक्ष अवसर सृजित हो सकेंगे। एसोचेम पदाधिकारियों ने इस पर चिंता जताई कि प्रदेश में छह लाख करोड़ रुपये से ज्यादा लागत की 606 परियोजनाएं प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में लंबित है। उन्होंने बताया कि सिंचाई की 98 फीसद, खनन की 91 फीसद, निर्माण एवं रियल इस्टेट की 90 फीसद, बिजली की 68 फीसद, सेवा क्षेत्र की 63 फीसद और विनिर्माण क्षेत्र की 44 फीसद परियोजनाएं फिलहाल प्रक्रिया के दौर में है, जिसकी वजह से रफ्तार धीमी हो गई है। उन्होंने कहा कि निवेश का लाभ परियोजना के पूरी होने पर ही मिलता है, इसलिए इस मामले में प्रदेश की दशा अन्य राज्यों के मुकाबले बेहतर नहीं है।

यह दिए सुझाव

एसोचेम के वरिष्ठ सदस्य बीएल जैन ने बताया कि प्रदेश में निवेश बढ़ाने और परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए प्रदेश सरकार को प्रभावी बिजली आपूर्ति करने, क्लस्टर आधारित योजना बनाने, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देने, पर्यटन क्षेत्र को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण सड़कों का विकास करने, शिक्षा क्षेत्र में प्रभावी बदलाव लाने की पहल करने, कुटीर लघु एवं मध्यम उद्योग इकाइयों का विकास करने, किसानों की सहभागिता बढ़ाने, सरकारी एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करने और परियोजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन का सुझाव दिया गया है।

15 साल की लड़की से शादी करने पहुंचा 45 साल का दूल्हा

पटना। दो अक्टूबर को मुख्यमंत्री के बाल विवाह के खिलाफ महाअभियान चलाने की घोषणा के तीन दिनों के भीतर राजधानी पटना में एक और मामला सामने आया है। दनियावां बाजार स्थित सूर्य मंदिर परिसर में गुरुवार को एक 15 वर्षीय किशोरी की शादी उससे तीन गुनी से भी अधिक उम्र के व्यक्ति से कराई जा रही थी। सूचना मिलने पर थाना पुलिस ने अधेड़ दूल्हे को दो बिचौलियों के साथ गिरफ्तार कर लिया। दूल्हा तरण सिंह (45) यूपी के इटावा जिले के बरेहर थानांतर्गत जफराबाद गांव का है। किशोरी नालंदा जिले के नगरनौसा थाना क्षेत्र के गांव की है। पुलिस ने उसके भाई को हिरासत में लिया है। पूछताछ में किशोरी ने रोते हुए कहा कि उसकी शादी जबरन कराई जा रही है। पुलिस कप्तान मनु महाराज को सूचना मिली कि दनियावां बाजार के पास सूर्य मंदिर परिसर में नाबालिग लड़की की शादी उसके पिता की उम्र के व्यक्ति से कराई जा रही है। उन्होंने फतुहा डीएसपी सुनील कुमार और थानाध्यक्ष मो. नदीम अख्तर को मौके पर पहुंचने का निर्देश दिया। ग्रामीण एसपी ललन मोहन प्रसाद लगातार पुलिस की कार्रवाई पर नजर रख रहे थे। पुलिस जब पहुंची तो शादी की रस्म चल रही थी, जिसे तत्काल रोका गया। लड़की ने जबरन शादी कराए जाने की बात स्वीकार की। इसके बाद दूल्हे तरण सिंह और बिचौलिए फुलवारीशरीफ के करौरी चक निवासी रामानंद राम और यूपी के इटावा की ममता देवी को गिरफ्त में लिया गया। पूछताछ में मालूम हुआ कि लड़की के घर वाले गरीब हैं। ममता लड़कियों की खरीद-फरोख्त का काम करती है। गरीब घर की लड़कियों को खरीदकर उनकी शादी बड़े उम्र के लोगों से कराती है।

कोई पहाड़ के नीचे तो कोई पुल के ऊपर
ऐसे हैं दुनिया के सबसे अजीबोगरीब घर

दुनिया बहुत बड़ी है लेकिन यहां आज भी कई लोगों को रहने के लिए सही जगह नहीं मिलती। ऐसे में लोगों को जहां जगह मिलती है वहां घर बनाकर रहने लगते हैं, चाहे वह पहाड़ हो या ब्रिज। आज हम आपको कुछ ऐसी ही अजीबोगरीब जगहों के बारे में बताएंगे जहां लोग बहुत ही अलग तरीके से और अपनी जान जोखिम में डाल कर रहते हैं।

1. कासा दो पेनडो पुर्तगाल

पुर्तगाल में बने ये घर बहुत ही अजीब हैं। यहां लोगों ने पहाड़ों के बीच में अपना घर बनाया है। 1974 में बने इन घरों को स्टोन हाउस भी कहते हैं। दरवाजों और खिड़कियों को छोड़कर यहां सारी जगह पत्थरों से ही बनाई गई है।

2. पोन्टे वेकियो, इटली

इटली के फिरेन्डे शहर में पोन्टे वेकियो ब्रिज को पुराने ब्रिज के नाम से भी जाना जाता है। आर्नो नदी को पार करने के लिए इसके ऊपर 1345 में इस पुल का निर्माण किया गया। इस पुल पर लोगों ने घर और दुकानें बना ली जो धीरे-धीरे बढ़ते जा रहे हैं।

3. सेटेनिल डी लास बोडेगास

स्पेन के सेटेनिल डी लास बोडेगास शहर में लगभग 30 हजार लोग रहते हैं और यहां लोगों ने पहाड़ों के नीचे अपने रहने के लिए घर बनाए हैं। ये घर देखने में बहुत ही सुंदर लगते हैं लेकिन इनमें रहना किसी खतरे से खाली नहीं है।

4. अल हजराह, यमन

यमन के हराज पहाड़ियों पर सबसे ऊंचाई पर बसी इस जगह को दीवारों का शहर कहते हैं। दूर से देखने पर ये सारे घर सिंपल दीवारें लगती हैं लेकिन यहां कई घर बने हैं।

5. सीलैंड

यह दुनिया की सबसे अनोखी जगह है जिसे एक छोटा-सा देश भी कहा जाता है। समुद्र में बने इस देश पर किसी भी दूसरे देश का अधिकार नहीं है।

रील के नहीं, रियल टल्क हैं ये

कई बार लोग बिना सोचे समझे किसी के भी घर के सामने गाड़ी पार्क कर देते हैं। ऐसे में घर के लोग या तो पुलिस को सूचना देते हैं, या फिर गाड़ी वाले के लौटने का इंतजार करते हैं। लेकिन इस शख्स ने जो रास्ता निकाला, उससे लोगों की आंखें फटी की फटी रह गईं। दरअसल ब्रिटेन में एक शख्स ने विवाद के चलते अपने पड़ोस में रहने वाली महिला के घर के सामने गाड़ी खड़ी कर दी। ऐसे में महिला के भतीजे हकान अकार ने बड़ी आसानी से उस गाड़ी को उठाकर दूर रख दिया। यह सब उन्होंने बिना किसी आदमी या मशीन की मदद से किया। वहां खड़े लोगों ने उनका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। इस वीडियो को देखने वाले लोगों ने उन्हें टल्क नाम दिया है, क्योंकि वे तुर्की के रहने वाले हैं और ताकत में हॉलीवुड फिल्म के चर्चित पात्र हल्क से कम नहीं हैं।

सिम कार्ड से लेकर मिस कॉल तक, इस गांव में लोगों के हैं अजीबोगरीब नाम

भारत में कई गांव हैं, जो अजीबोगरीब कारणों से मशहूर हैं। कहीं हर घर एक ऊपर प्लेन लगे हैं तो कहीं जुड़वां बच्चों की भरमार है। लेकिन आपको बता दें कि राजस्थान में एक ऐसा गांव है, जो अपने लोगों के अजीबोगरीब नाम की वजह से मशहूर है। कभी सुने हैं ऐसे नाम...

राजस्थान के बूंदी डिस्ट्रिक्ट में मौजूद रामनगर गांव अपश्ने लोगों के अजीबोगरीब नाम की वजह से फेमस है। इंटरनेट और सोशल साइट्स पर ये गांव इस वजह से फेमस रहा है इस गांव में लोगों की हैसियत के आधार पर उनके नाम रखे जाते हैं। जैसे अगर लोग ऊंचे कास्ट के हैं, तो उनका नाम प्रधानमंत्री, कलेक्टर आदि रखा जाएगा। वहीं नीचे दर्जे के लोगों का नाम उस हिसाब से रखे जाते हैं। गांव में रहने वाले एक शख्स का नाम हाई कोर्ट है। पूछने पर पता चला कि जब उसका जन्म हुआ था तब उसके दादा को बेल मिली थी। इस कारण उसका नाम हाईकोर्ट रखा गया। बूंदी डिस्ट्रिक्ट से 10 किलोमीटर दूर बसे रामनगर गांव में कंजर कम्युनिटी के करीब 500 लोग रहते हैं। यहां की आधी से ज्यादा जनसंख्या अशिक्षित है। लोग गैर-कानूनी कामों में संलग्न रहते हैं।

महिलाओं के अलग हैं नाम

गांव के आसपास और भी ऐसे कई गांव है, जहां लोगों एक नाम अजीबोगरीब हैं। जैसे अरनिया गांव में रहने वाली लड़कियों और महिलाओं के नाम नमकीन, जलेबी और मिठाई भी रखे गये हैं।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
अपेक्षाकृत कार्यों में रुकावट आएगी। फालतू खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। कुसंगति से हानि होगी। व्यर्थ के विवादों से दूर रहें।

सिंह
वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई रुका काम बनने से प्रसन्नता होगी।

धनु
बुरी खबर मिलने से तनाव रहेगा। दौड़धूप अधिक होगी। झंझटों में न पड़ें। बनता कार्य बिगड़ जाने से चिंता रहेगी। आलस्य हावी रहेगा।

वृष
यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यस्तता रहेगी। प्रमाद न करें। व्यापार में नवीन योजनाओं का शुभारंभ होगा।

कन्या
जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा आ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। आजीविका के क्षेत्र में उन्नति होगी।

मकर
मेहनत का फल मिलेगा। सम्मान में वृद्धि होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। जल्दबाजी न करें। जमीन संबंधी विवाद की आशंका रहेगी।

मिथुन
योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कमियों को दूर कर अच्छा लाभ ले पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

तुला
संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। रोजगार मिलेगा, प्रयास करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। यात्रा व निवेश सफल रहेंगे। सभी समस्याएं दूर होंगी।

कुंभ
व्यवसाय ठीक चलेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रतिद्वंद्वी शांत रहेंगे। धनलाभ सुगम होगा। दांपत्य जीवन संबंधी विवादों का समाधान निकलेगा।

कर्क
राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। घर-बाहर तनाव रह सकता है। लाभदायी योजनाएं हाथ में आएंगी।

वृश्चिक
स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ होगा। कोई रुका काम बनने से प्रसन्नता होगी।

मीन
यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। गणमान्य व्यक्ति आपके गुणों की प्रशंसा करेंगे। घर-परिवार की चिंता रहेगी।

कुत्ते ने ऐसी जीभ लपलपाई कि टूट गया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

कुत्ते ने ऐसी जीभ लपलपाई कि टूट गया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्डसोशल मीडिया पर इन दिनो एक कुत्ता अपनी जीभ की वजह से सुर्खियों में छाया हुआ है। उसे सबसे लंबी जीभ के लिए एक खिताब भी दिया गया है।

1- कोई अपनी लंबी जीभ की वजह से वर्ल्ड रिकॉर्ड बना सकता है ये सोचने का विषय है पर मोची मो नाम के एक कुत्ते ने जब अपनी जीभ लपलपाई तो उसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया।

2- मो का पूरा नाम मोची मो रिकर्ट है। उसकी जीभ की लंबाई 7.31 इंच है। 8 साल का सेंट बर्नार्ड जो कि यूएस के साउथ डकोटा का रहने वाला है। अपनी लंबी जीभ के चलते हुये पूरी दुनिया में छाया हुआ है।

3- मो की ऑनर कार्ला का कहना है कि उसकी जीभी मुझे अब भी असली नहीं लगती है। उन्होंने बताया कि वो बहुत शांत स्वाभव का है। मोची के इस फीचर को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड अमेजिंग एनीमल बुक में शामिल किया गया है।

4- रिकॉर्ड बुक के एडीटर इन चीफ क्रेग ने बताया कि हम अपने परि-वार में मोची के सबसे लंबी जीभ के रिकॉर्ड के तोड़ने का स्वागत करते हैं। अमेजिंग एनीमल जानवरों की ऐसी प्रजातियों को लेती है जिनमें कुछ खास और अनोखा होता है।

जोड़ों के दर्द में खाएं एक कटोरी दही, मिलेंगे कई फायदे

ऐसा अक्सर कहा जाता है कि अच्छे काम की शुरूवात दही खाकर ही करनी चाहिए। दही में प्रोटीन,कैल्शियम,आयरन, फास्फोरस, विटामिन इ6 और विटामिन इ12 के अलावा और भी बहुत से जरूरी तत्व पाए जाते हैं जो सेहत के लिए बहुत लाभकारी हैं। दही के इन्हीं गुणों के कारण इसे दूध से भी ज्यादा लाभकारी माना गया है। हर रोज अपने आहार में एक कटोरी दही का सेवन भी जरूर करें। आइए जाने इसके बेमिसाल फायदों के बारे में।

1. पाचन शक्ति बढ़ाएं
दही का सेवन करने से पेट से जुड़ी परेशानियां दूर हो जाती है। इससे खाना आसानी से पचना शुरू हो जाता है। जिन लोगों को भूख न लगने की शिकायत रहती हैं उन्हे रोजाना दूध की जगह पर दही खाना चाहिए।

2. प्रतिरोधक क्षमता मजबूत
शरीर बाहरी मजबूती के साथ-साछ अंदर से भी मजबूत होना बहुत जरूरी है। इससे रोगों से लड़ने के शक्ति बनी मिलती है और बीमारियों से भी बचाव रहता है। दही खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

3. दिल के रोग
दिल से जुडे रोग जैसे हाई ब्लड प्रैशर,कोलेस्ट्रॉल,गुर्दे की परेशानियों में दही का सेवन बहुत लाभकारी है।

4. हड्डियां मजबूत
दही में कैल्शियम भरपूर मात्रा में होता है। इससे हड्डियां,दांत और नाखून मजबूत होते हैं। इससे मांसपेशियों को भी इससे मजबूती मिलती है।

5. जोड़ों के दर्द में लाभकारी
जोडों के दर्द से परेशान हैं तो दही में हींग का छौंक लगाकर खाएं,इससे दर्द में लाभ मिलता है और पौष्टिकता भी बढ़ जाती है।

6. बवासीर से राहत
बवासीर होने पर दोपहर के खाने के साथ रोजाना एक गिलास लस्सी में अजवाइन का पाउडर डालकर पीने से फायदा मिलता है।

जिम ट्रेनर लगा रहा ये पांबदियां, तो भूलकर भी न मानें उसकी बात!

आजकल के समय में लोग फिट रहने के लिए जिम का सहारा लेते हैं। लेकिन जिम में एक्सरसाइज के साथ-साथ वह अपने ट्रेनर की सलाह से डाइटिंग भी करना शुरू कर देते हैं। ऐसे में उन्हें वो सब चीजें छोड़नी पड़ती है, जो उनका जिम ट्रेनर कहता है। ताकि वह जल्द से जल्द स्लिम या फिट हो सके। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसी बहुत से बातें जिनके लिए आपको अपने जिम ट्रेनर को न बोलने की जरूरत है, क्योंकि यह कुछ समय के लिए तो आपको अच्छे रिजल्ट दे सकती हैं। लेकिन बाद में आपको इससे नुकसान उठाना पड़ सकता है।

लौंग का इस्तेमाल करेगा कई परेशानियां दूर

लौंग का इस्तेमाल हर घर में किया जाता है। इससे खाना का स्वाद और महक दोनों बढ़ जाते हैं। यह खाने में ही नहीं बल्कि सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। इसका सेवन करने से सेहत से जुड़ी छोटी-मोटी परेशानियां दूर होती हैं। आइए जानें लौंग का अलग-अलग तरह का इस्तेमाल करने से होने वाले फायदे।

1. खांसी से राहत
लगातार खांसी आ रही हैं तो मुंह में लौंग रखकर चूसने से खांसी आनी बंद हो जाती है। जब कर मुंह में लौंग रहता हैं खांसी बंद हो जाती हैं।

2. सांसों की बदबू दूर
कुछ लोगों के मुंह से सांसों की बदबू आती है। जिससे उन्हें दूसरों के सामने शर्मिंदा भी होना पड़ता है। इस परेशानी में भी लौंग बेहद लाभकारी है। मुंह में 1 लौंग रखकर चूसने से सांसों की बदबू दूर हो जाती है।

3. जुकाम से छुटकारा
बंद नाक और जुकाम से छुटकारा पाने के लिए एक रूमाल पर लौंग के तेल की कुछ बूंदे डालकर सूंघ लें। इससे बंद नाक खुल जाएगा और जुकाम से भी राहत मिलेगी।

जानिए जिम ट्रेनर की किन बातों को मानने से करें इंकार

☞ अक्सर लोग जिम ट्रेनर के कहने पर सप्लीमेंट लेना शुरू कर देते हैं, जबकि ज्यादा सप्लीमेंट्स आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आपने खानपान में इसकी हिस्सेदारी सिर्फ 10 फीसदी होनी चाहिए।

☞ जिम ज्वाइन करते ही लोग बाहर का खाना छोड़ देते हैं, परंतु वे यह नहीं जानते कि कभी-कभी बाहर का खाना खाने से रोगप्रतिरोधक क्षमता पर कोई असर नहीं पड़ता। बल्कि रोजाना एक ही तरह का खाना खाने की बजाय कुछ अलग खाने से दिमागी तौर पर शांति मिलती है।

☞ अक्सर यह कहा जाता है कि केला खाने से मोटापा बढ़ता है। लेकिन आपको बता दें कि केले में वसा कम मात्रा में पाया जाता है और यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी कम करने में मदद करता है।

☞ जिम ट्रेनर की सलाह से कुछ भी खाना बंद करने से पहले यह जरूर पता होना चाहिए कि किस चीज में कितनी कैलोरी होती है और कितनी कैलोरी का सेवन आपको एक दिन में करना चाहिए।

आरोग्य चिकित्सा शिविर

हम रोगों का दमन या नियमन नहीं वरन निर्मूलन सिखाते हैं

प्राकृतिक चिकित्सक- झरना दोशी
दिन- रविवार
दिनांक - ८/१०/२०१७
स्थान- गोरेगांव (पू.)
समय- शाम ५ बजे से ७ बजे तक

सिद्ध संजीवनी चिकित्सा - स्वरस चिकित्सा - उषापान चिकित्सा - अति दुर्लभ वनौषधि चिकित्सा - निसर्गोपचार एवं प्राकृतिक चिकित्सा - दिव्य दुर्लभ जंगली पहाडी जड़ी बूटी चिकित्सा - अत्या धुनिक वैकल्पिक चिकित्सा - पंचकर्मा चिकित्सा - घरेलू चिकित्सा - मनोशारीरिक विचिकित्सा - नाड़ी परिक्षा - असली पारंपरिक अतिगुप्त देसी नुस्खों द्वारा असंभव असाध्य लाइलाज गंभीर बीमारियों तथा जटील रोगों से सरल, सहज मुक्ति एवं जड मूल से छुटकारा।

आहार अनुशासन, खाद्य एवं औषधि अपमिश्रण जागरूकता, आत्म उत्साह वृद्धि, प्रेरणा, नशामुक्ति, व्यक्तिगत सकारात्मक दृष्टिकोण, सम उपदेशन, शारीरिक परीक्षण और पूछताछ तथा वैधकीय सलाह, मशवरा, परामर्श द्वारा रोग निदान।

आहार अनुशासन, खाद्य एवं औषधि अपमिश्रण जागरूकता, आत्म उत्साह वृद्धि, प्रेरणा, नशामुक्ति, व्यक्तिगत सकारात्मक दृष्टिकोण, सम उपदेशन, शारीरिक परीक्षण और पूछताछ तथा वैधकीय सलाह, मशवरा, परामर्श द्वारा रोग निदान।

अतुल्य शक्ति, चीर यौवन, कायाकल्प, दिघार्यु, रोग प्रतिरोधक शक्ति विकास व मनोशारिरीक अस्वस्थता, व्याधि, अशांति, असंतुलन, चिंता, तनाव, उद्वेग, तथा अवसाद से स्थायी मुक्ति, रामबाण उपाय तथा निवारण हेतु, वर्षो के जानकार, अनुभव सिद्ध, हर्बल प्राकृतिक चिकीत्सा को प्रतिबद्ध, विश्वविख्यात कुशल आरोग्य विशेषज्ञ एवं निपुण स्वास्थ्य चिकीत्सक डॉ दोशी से अपना पंजीकरण करवाकर मार्गदर्शन प्राप्त करें। 9867716015

टी-20 में स्मिथ से बड़ी चुनौती है कोहली के सामने

रांची। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज खत्म होने के बाद अब टी-20 सीरीज की शुरूआत होने जा रही है। वनडे में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराने के बाद टीम इंडिया आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही है। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार से यहां शुरू हो रही टी-20 सीरीज में भी जीत की लय को बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। विराट कोहली की टीम ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन बरकरार रखते हुए ऑस्ट्रेलिया को वनडे सीरीज में हराकर नंबर वन रैंकिंग हासिल की है। टी-20 रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज भारत का लक्ष्य अब जेएससीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर शुरू हो रही तीन मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप कर अपनी रैंकिंग बेहतर करना होगा। भारत टेस्ट और वनडे में नंबर वन है और अब टी-20 में भी अपने स्तर को उठाना चाहेगा। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम चाहेगी कि वह भारत के हाथों 2016 टी-20 विश्व कप में मिली हार का बदला चुकता करे। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को सात विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी और उस मैच में विराट कोहली ने 51 गेंद में नाबाद 82 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया का बोरिया बिस्तर टूर्नामेंट से बांध दिया था। इसके अलावा साल की शुरूआत में टेस्ट सीरीज और अब वनडे सीरीज गंवाने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम चाहेगी कि वह टी-20 सीरीज जीतकर अपनी इज्जत बचा ले।

शिखर, रोहित और विराट पर रहेगी नजर

इसके अलावा, ओपनर शिखर धवन ने टीम में वापसी की है जो पत्नी की सर्जरी के कारण वनडे सीरीज से बाहर रहे थे। उनसे और रोहित शर्मा से भारत को उम्दा शुरूआत की उम्मीद होगी चूंकि रोहित शानदार फॉर्म में हैं जिन्होंने वनडे सीरीज में पांच मैचों में एक शतक और दो अर्द्धशतक समेत करीब 60 की औसत से सर्वाधिक 296 रन बनाए । कप्तान विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली चार टी-20 पारियों में नाबाद 90, नाबाद 59, 50 और नाबाद 82 रन बनाकर अपना दबदबा साबित कर दिया है। उनकी कप्तानी में भारत ने वैसे भी पिछले 23 टी-20 मैचों में से 17 जीते हैं।

पांड्या हो सकते हैं एक्स फैक्टर

वनडे सीरीज में मैन आफ द सीरीज रहे हरफनमौला हार्दिक पांड्या भारत के लिए एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं। पांड्या ने पांच मैचों में दो अर्द्धशतक समेत 222 रन बनाए और छह विकेट भी लिए थे। लोकेश राहुल, केदार जाधव और मनीष पांडे पर मध्यक्रम को मजबूती देने की जिम्मेदारी होगी। धौनी से अपने शहर में दर्शकों को खास पारी की उम्मीद रहेगी।

अश्विन-जडेजा की कमी महसूस नहीं

आर अश्विन और रवींद्र जडेजा को वनडे के बाद टी-20 टीम से भी बाहर रखा गया है चूंकि कलाई के स्पिनरों कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल ने उनकी कमी महसूस नहीं होने दी। वनडे सीरीज में कुलदीप यादव ने सात और युजवेंद्र चहल ने छह रन प्रति ओवर से भी कम की औसत से छह विकेट अपने नाम किए थे। उनके अलावा अक्षर पटेल भी टीम में हैं।

टीम इंडिया के मिशन क्लीन स्वीप को लग सकता है झटका

रांची में बारिश का साया

रांची। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में टीम इंडिया के मिशन क्लीन स्वीप को बड़ा झटका लग सकता है। सीरीज का पहला मैच टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के गृह नगर रांची में खेला जाना है, जहां मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान बारिश की संभावना व्यक्त की है। शुक्रवार को भी रांची में दोपहर बाद जोरदार बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण रांची समेत पूरे राज्य में 7 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक बारिश होने की संभावना है। राज्य के दक्षिण एवं मध्य हिस्सों में तेज बारिश होने की संभावना है। रांची झारखण्ड राज्य के बारिश से प्रभावित हिस्से में आता है। आपको बता दें कि शुक्रवार को दोपहर एक बजे से दो बजे तक रांची में जमकर बारिश हुई जिसके चलते जेएससीए का मैदान कवर करना पड़ा। पूरी तरह कवर करने के बावजूद मैदान का बड़ा हिस्सा पूरी तरह गीला हो गया। शुक्रवार को दोपहर डेढ़ बजे से भारतीय टीम को मैदान पर प्रैक्टिस करनी थी, लेकिन बारिश के कारण टीम इंडिया का प्रैक्टिस सेशन रद्द हो गया और उन्हें इंडोर स्टेडियम में प्रैक्टिस करनी पड़ी। शाम को मैदान में पांच बजे से ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी अभ्यास करना है जिसकी संभावना कम है। बारिश के चलते ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी इंडोर स्टेडियम में ही अभ्यास करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अक्टूबर 2013 में यहां खेला गया वनडे मैच बारिश की भेट चढ़ गया था। फैंस को उम्मीद होगी कि मौसम साफ रहे और पूरे 40 ओवरों का मैच देखने को मिले।

आशीष नेहरा से काफी कुछ सीखने को मिलता है : जसप्रीत बुमराह

रांची। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि आशीष नेहरा जैसे अनुभवी खिलाड़ी की टीम इंडिया में वापसी अच्छी बात है और उनके जैसे गेंदबाज से काफी कुछ सीखने को मिलता है। यही नहीं, मैं और भुवनेश्वर कुमार भी गेंदबाजी को लेकर आपस में बात करते रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में 4-1 से जीत और टी20 प्रारूप में पिछले प्रभावी प्रदर्शन से भारतीय टीम को भले ही मनोवैज्ञानिक बढ़त मिल हो गई हो लेकिन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा कि मेजबान टीम का फोकस विरोधी पर नहीं बल्कि अपनी तैयारियों पर है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां जेएससीए स्टेडियम पर कल पहले टी20 मैच से पहले बुमराह ने पत्रकारों से कहा, हम इस तरीके से चीजों को नहीं देखते। मनोवैज्ञानिक दबाव के बारे में सोचने की बजाय हम अपनी तैयारियों पर फोकस करने में भरोसा करते हैं। हमें अपने बेसिक्स पर ध्यान रखना है और नतीजे खुद-ब-खुद मिलेंगे। भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का टी20 रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं है और

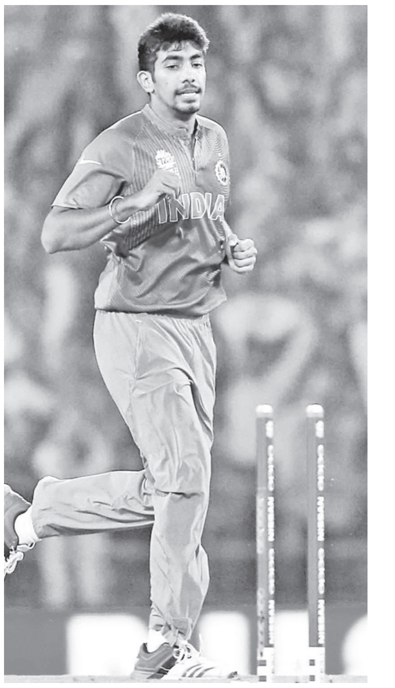

अब तक 13 मैचों में से सिर्फ चार में उसे जीत मिली है। पिछली बार मोहाली में 2016 टी20 वर्ल्डकप में उसे 7 विकेट से हराकर भारत ने सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। वनडे क्रिकेट में डेथ ओवरों के गेंदबाज के रूप में स्थापित हो चुके बुमराह ने कहा कि प्रारूप बदलने का प्रदर्शन पर असर नहीं पड़ेगा।

उन्होंने कहा, भारत के लिए खेलना ही सबसे बड़ी प्रेरणा है। प्रारूप चाहे जो भी हो, देश के लिये खेलना गर्व की बात है। हम वनडे के बाद अब टी20 में भी अनुकूलन में देर नहीं लगाएगे। यह पूछने पर कि भुवनेश्वर कुमार के साथ तेज गेंदबाजी में भारत के स्ट्राइक गेंदबाज का दर्जा पाने के बाद कैसा महसूस करते हैं, बुमराह ने कहा, हम एक दूसरे से लगातार सीखते रहते हैं और सीनियर्स से पूछते रहते हैं कि अपने प्रदर्शन में सुधार कैसे किया जाए। इसी से प्रदर्शन में निखार आता है। अनुभवी आशीष नेहरा की टीम में वापसी को अच्छा बताते हुए उन्होंने कहा कि नेहरा से काफी कुछ सीखने को मिलता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उड़नपरी बनेगी प्रियंका

बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा सिल्वर स्क्रीन पर उड़नपरी का किरदार निभाती नजर आ सकती है। बॉक्सर मैरी कॉम की बायोपिक में अपने किरदार से दर्शकों पर गहरी छाप छोडने वाली प्रियंका अब एक और स्पोर्ट्स बायोपिक में नजर आयेंगी। चर्चा है कि ओलंपिक चैंपियन पीटी उषा की बायोपिक बनने जा रही है और मेकर्स प्रियंका चोपड़ा को अपनी इस फिल्म का हिस्सा बनाना चाहते हैं। माना जा रहा है कि यह फिल्म 100 करोड़ के बजट में तैयार होगी।

दीपिका का सबसे सुंदर लुक

बॉलीवुड एक्ट्रैस दीपिका पादुकोण वैसे तो अपने हर लुक को लेकर मशहुर है। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत फिल्म ओम शांति ओम से की। हाल ही में दीपिका एक फैशन इवेंट में नजर आईं जिसमें वे बेहद ग्लैमरस लग रही थीं। इस ड्रैस में उनका अब तक का सबसे बैस्ट ऐर सबसे सुंदर लुक है। ड्रैस को पहने हुए वह डॉल जैसी लग रही थी। उनका ऐसा लुक फैंस के दिल को धड़कने पर मजबूर कर सकता है। उन्होंने पिंक कलर का एक फ्लॉरस वाला गाउन पहना हुआ था जिसमें वह उम्दा लग रही थी। उनकी अदाएं भी कम नहीं थी।